



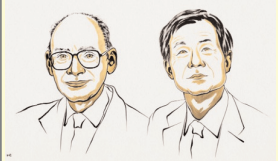
विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल आईएसएल सीजन 3 के लिए 21 देशों... @ विचार गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी रहे लेकिन जनता... @ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

स्वबर झरोखा

फ्रांस के कगन और जापान के केन्सो को केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार



नई दिल्ली। 2026 के केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने फ्रांस के हेनरी बी. कगन और जापान के केन्सो सोआई को 'असिमेट्रिक ऑर्गेनिक सिंथेसिस इन नॉन-लीनियर इफेक्ट्स और ऑटो-कैटालिसिस की खोज' के लिए पुरस्कार दिया।

उन्होंने रसायन विज्ञान में 'मिरर इमेज' (दर्पण-प्रतिबिंब) चुनने की प्रक्रिया पर काम किया।

एमवी रोयाद मम्मादोव से बचाए गए तीन भारतीयों से मिले दूतावास के प्रतिनिधि

नई दिल्ली। रोमानिया स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि ने काला सागर हमले में घायल हुए 3 भारतीयों से मुलाकात की। बुधवार को तस्वीरों के साथ अपडेट दिया। बताया कि तीनों की हालत स्थिर है। दो को होटल में शिफ्ट कर दिया गया है जबकि एक का कॉन्स्टेन्टा अस्पताल में इलाज जारी है।

दूतावास ने एक्स प्लेटफॉर्म पर तस्वीरों के साथ एक बयान जारी किया।

तमोरा के जंगल में वन अमले पर हमला, रेंजर समेत दो अधिकारी 5 घंटे बंधक

बंधक अधिकारियों को पुलिस ने कराया मुक्त..

महासमुंद/बागबाहरा ■ परमिंदर माटा वनपरिक्षेत्र बागबाहरा के तमोरा क्षेत्र में वनभूमि पर अतिक्रमण के मामले को लेकर वन अमले और कुछ लोगों के बीच विवाद के दौरान रेंजर समेत दो अधिकारियों के साथ मारपीट और उन्हें बंधक बनाए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना 6 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है।

संवाददाता से जानकारी के अनुसार, वनपरिक्षेत्राधिकारी नवीन वर्मा अपने स्टाफ उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा, वनरक्षक टोमन दीवान, वॉचर महेश चंद्राकर, वॉचर पूनम साहू और चालक हरदेव वर्मा के साथ ढोड़ परिसर के कक्ष क्रमांक 95-96 में जंगली सुअर के अवैध शिकार और वन्य मांस के अवैध विक्रय की सूचना पर रात्रि गश्त पर निकले थे।

बताया गया है कि इसी दौरान तमोरा क्षेत्र में वनभूमि पर अतिक्रमण करने वाले कुछ लोगों से वन अमले का विवाद हो गया। आरोप है कि संबंधित लोगों ने वन अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की धमकी दी और बाद में लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचकर वन अमले को घेर लिया। संख्या अधिक होने के कारण कुछ कर्मचारी वहां से सुरक्षित स्थान की ओर चले गए,



जबकि रेंजर नवीन वर्मा और उपवनक्षेत्रपाल नवीन शर्मा मौके पर रह गए।

केतमोरा के जंगल में वन अमले पर हमला, रेंजर समेत दो अधिकारी 5 घंटे बंधक

मारपीट में चोट लगने का आरोप

वन विभाग के अनुसार, आरोपित लोगों ने दोनों अधिकारियों के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें चोटें आईं और रक्तस्राव हुआ। इस दौरान रेंजर का पर्स

तथा उपवनक्षेत्रपाल का मोबाइल फोन छीन लिए जाने का भी आरोप है।

इसके बाद दोनों अधिकारियों को तमोरा वनखंड से लगे खेत में बने एक छोटे मकान में ले जाकर बंधक बनाए रखने की बात सामने आई है। विभाग के मुताबिक दोनों अधिकारियों को रात करीब 7:30 बजे से 12:30 बजे तक करीब पांच घंटे तक वहां रखा गया।

व्हाट्सऐप से दी अधिकारियों और पुलिस को सूचना

घटना की गंभीरता को देखते हुए रेंजर नवीन वर्मा ने व्हाट्सऐप के माध्यम से उच्च अधिकारियों के साथ-साथ बागबाहरा और खल्लारी थाना प्रभारी को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ बागबाहरा और महासमुंद वनपरिक्षेत्र का अमला मौके पर पहुंचा।

वन विभाग का कहना है कि समय रहते पुलिस और वन अमला मौके पर नहीं पहुंचता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। मौके पर पहुंची टीम ने अधिकारियों

को मुक्त कराने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि संबंधित लोगों ने उन्हें छोड़ने से इनकार कर दिया और पुलिस तथा वन अमले के साथ भी विवाद किया।

इसके बाद पुलिस और वन अमले ने सुरक्षा घेरा बनाकर दोनों अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाद में दोनों अधिकारियों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया।

शासकीय कार्य में बाधा समेत कई गंभीर आरोप

घटना में शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट, धमकी, शासकीय सेवकों के साथ अभद्र व्यवहार, सामान छीनने और अधिकारियों को उनकी इच्छा के विरुद्ध बंधक बनाए जाने जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। वन विभाग के अनुसार उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य अभिलेखों के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

43,600 करोड़ की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रतिबद्धताएं, छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्धियों से भरा रहा सिंगपुर दौरा



संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल सिंगपुर की सफल यात्रा के बाद रायपुर लौटा आया है। तीन दिवसीय इस दौरे में प्रदेश को 43,600 करोड़ की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुईं। किसी एक विदेश यात्रा के दौरान

छत्तीसगढ़ को मिले यह अब तक के सबसे बड़े निवेश प्रतिबद्धताओं में शामिल हैं। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रथम 'सिंगपुर-ईंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम-2026' में भागीदारी के लिए देश से केवल छत्तीसगढ़ और हरियाणा का चयन किया गया था। सिंगपुर प्रवास के दौरान

छत्तीसगढ़ ने 41,750 करोड़ के एआई-रेडी डेटा सेंटर कैपेस के निवेश प्रस्ताव के साथ कोशल विकास के क्षेत्र में जैसी विश्वस्तरीय संस्थाओं के साथ हरित विकास, पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। एआई डेटा सेंटर से सौर ऊर्जा और कृषि प्रसंस्करण तक बड़े निवेश सिंगपुर की Energy Capital Global (ECG) ने छत्तीसगढ़ में 100 मेगावाट क्षमता का एआई-रेडी डेटा सेंटर कैपेस विकसित करने के लिए 41,750 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह परियोजना प्रदेश को देश की उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधुनिक डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ी पहल साबित हो सकती है।

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा; पीएम मोदी पीएम-सीउएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया



एणेंसी ■ नई दिल्ली

'वी विल दू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता,

तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षी नहीं, मिशन के लिए जीता हूँ। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से



ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सोखने की इच्छा कभी कम न हो। '25 साल में देश कहाँ पहुँचा, यह देखना जरूरी' मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही

अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे होगा कि मैं कहाँ पहुँचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहाँ पहुँचा।

'फलाहारी महाराज के दावे झूठे': कोहली के प्रवक्ता



नई दिल्ली। 'फलाहारी महाराज' के नाम से मशहूर दिनेश शर्मा द्वारा वृंदावन यात्रा के लिए 5 करोड़ रुपये लेने के आरोपों को लेकर विराट कोहली की तरफ से सफाई पेश की गई है। कोहली के प्रवक्ता का कहना है कि सब सभी दावें पूरी तरह से बेबुनियाद और झूठे हैं।

कोहली के प्रवक्ता ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'हम साफतौर पर कहना चाहते हैं कि फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा ने विराट कोहली के बारे में जो दावे किए हैं, वे पूरी तरह से झूठे, बेबुनियाद और तथ्यों के लिहाज से गलत हैं।

फसलों को कीट प्रकोप से बचाते और अच्छा कृषि पैदावार देते हैं ग्राम देवता

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर की संस्कृति, लोक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों का कोई मुकाबला नहीं है। यहां मान्यता है कि गांव में बीमारी फैल जाए या फसलों में कीट प्रकोप लग जाए, तो ग्राम देवी देवता संरक्षक बनकर साथ देते हैं। 750 ही अनूठी आस्था के प्रतीक भादम जातरा पर्व मधोता एवं खैरागुड़ा क्षेत्र में श्रद्धा और पारंपरिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ।

ग्रामीण अंचलों में प्रचलित इस पारंपरिक जातरा का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार खेतों में लगी फसलों को कीट प्रकोप से बचाने, अच्छी पैदावार दिलाने तथा गांव में विभिन्न प्रकार की बीमारियों और विपत्तियों से रक्षा के लिए ग्राम देवी-देवताओं की आराधना की जाती है। ग्रामीण इसे बोहरानी भादम जतरा के रूप में मनाते हैं। यह परंपरा क्षेत्र के लोगों की आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामूहिक जीवन की संस्कृति से जुड़ी हुई है परंपरा के अनुसार मधोता स्थित भैरम बाबा मंदिर में ग्राम देवी तपेश्वरी माता एवं



भैरम बाबा की पूजा-अर्चना के साथ भादम जातरा मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम पुजारी, सिरहा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार देवी-देवताओं की पूजा कर गांव की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की प्रकृति के साथ उनके गहरे माध्यम से लहलहाती फसलों को कीट प्रकोप से सुरक्षित रखने तथा अच्छी पैदावार होने की प्रार्थना की गई इसके पश्चात मंगलवार को खैरागुड़ा के बड़े घर में घाटी मुंडित परदेर्शन मना भादम जातरा की परंपरा निभाई गई। यहां भी ग्राम देवी-देवताओं

की उपस्थिति में पारंपरिक पूजा-अर्चना सम्पन्न हुई। ग्रामीणों ने पूरी श्रद्धा के साथ अपनी लोकपरंपरा का निर्वहन करते हुए ग्राम देवी-देवताओं से परिवार एवं पूरे गांव की रक्षा, अच्छी वर्षा, बेहतर फसल उत्पादन और निरोगी जीवन का आशीर्वाद मांगा। आस्था और परंपरा का महापर्व बस्तर के ग्रामीण जीवन में ग्राम देवी-देवताओं की आराधना का विशेष स्थान है। खेती-किसानी पर आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था में फसलों की सुरक्षा और अच्छी पैदावार को परिवार एवं पूरे गांव की प्रतीक भी है। ग्रामीण मान्यताओं के अनुसार, इस पारंपरिक पूजा के माध्यम से गांव को रोग-व्याधियों, प्राकृतिक विपत्तियों और फसलों पर पड़ने वाले कीट प्रकोप से सुरक्षित रखने की कामना की जाती है।

राहुल गांधी को ले जा रही बस को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया पंचर

एणेंसी ■ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर INDI गठबंधन के सांसद कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा है कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सभी सांसद जंतर-मंतर पर धरना दिया है। हम देश को अपनी बात बताएंगे। बताएंगे कि कैसे 300 सांसदों को चुनाव आयोग नहीं जाने दिया गया। ज्ञानेश कुमार देश के वैध चुनाव आयुक्त नहीं- राहुल गांधी राहुल गांधी ने कहा कि कल सांसद चुनाव आयुक्तों, खासकर तीनों चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे। उन्होंने हमसे मिलने से



इनकार कर दिया। दिल्ली पुलिस ने हमें रोक दिया और कहा कि हम वहां विरोध-प्रदर्शन नहीं कर सकते। हम तय विरोध स्थल जंतर-मंतर जाकर वहां बैठेंगे और देश को यह बताते रहेंगे कि हमारे लिए ज्ञानेश कुमार देश के वैध चुनाव आयुक्त नहीं हैं।

इससे पहले मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में गठबंधन के नेताओं ने आकाशवाणी भवन पर धरना दिया। करीब आठ घंटे चले इस धरने के बाद रात आठ बजे पुलिस ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को हिरासत में ले लिया और



करीब रात 10 बजे के बाद दोनों नेताओं और कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया। चुनाव आयोग के बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात देखा गया। विपक्ष के चल रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए चुनाव आयोग की ओर जाने वाले सभी मुख्य रास्ते बंद कर दिए गए थे। राहुल गांधी के जंतर-मंतर पहुंचते ही पुलिस का एक्शन शुरू हो गया है।

बाहर भारी सुरक्षा बल तैनात देखा गया। विपक्ष के चल रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए चुनाव आयोग की ओर जाने वाले सभी मुख्य रास्ते बंद कर दिए गए थे। राहुल गांधी के जंतर-मंतर पहुंचते ही पुलिस का एक्शन शुरू हो गया है।

प्रतिनिधित्व करेगी। आदित्य क्रिकेट अकादमी के संचालक आदित्य गोलानी ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बर्धाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, नियमित अभ्यास का परिणाम है।

संपादकीय

जाएं तो जाएे कहाँ...समझेंगा कौन यहाँ दर्द भरे दिल की जुबां?

राकेश अचल

गत दिवस दिल्ली में जो हुआ, वह सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन की कहानी नहीं है.करीब 300 विपक्षी सांसद संसद से चुनाव आयोग के दफ्तर की तरफ बढ़े.कह रहे थे—हम चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते हैं, अपनी बात रखना चाहते हैं, सवाल पूछना चाहते हैं.

लेकिन रास्ते में पुलिस की बैरिकेडिंग थी.सांसद रोक दिए गए.

धरना हुआ.राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया.और सवाल फिर वही—आखिर जाएं तो जाएं कहीं ?

विपक्ष का कहना है कि वह देश के करोड़ों मतदाताओं की आवाज लेकर चुनाव आयोग तक आया था.लेकिन आयोग की ओर से शाम को कहा गया कि उसे किसी राजनीतिक दल से औपचारिक बैठक का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ.

तो फिर असली सवाल यही है—क्या लोकतंत्र में शिकायत रखने के लिए सिर्फ औपचारिक आवेदन जरूरी है, या सामने खड़े निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से संवाद का कोई रास्ता भी होना चाहिए ?और यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जिस कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति होती है, उसकी चयन समिति में प्रधानमंत्री के साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता भी सदस्य होते हैं.यानी नियुक्ति की प्रक्रिया में विपक्ष को जगह देने वाली व्यवस्था है.

लेकिन आज वही विपक्ष चुनाव आयोग के दरवाजे तक पहुंचकर भी संवाद नहीं कर पाया—कम से कम इन घटनाओं का यही सार्वजनिक चित्र सामने आया है.विपक्ष एस आई आर को लेकर गंभीर सवाल उठा रहा है.वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर बदलाव को लेकर उसके आरोप हैं.चुनाव आयोग इन आरोपों को स्वीकार नहीं करता और एस आई आर को मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया बताता है.

सुप्रीम कोर्ट भी इस पूरे विवाद से जुड़े मामलों को सुन रहा है.

यानी मामला अब सड़क से संसद, संसद से चुनाव आयोग और चुनाव आयोग से अदालत तक पहुंच चुका है.लेकिन कल की दिल्ली ने एक और तस्वीर दिखाई.संसद के करीब 300 सदस्य एक तरफ...बैरिकेड दूसरी तरफ हजारों बाबर्दी पुलिस.

विपक्ष कहता है—हम जनता के प्रतिनिधि हैं.सरकार और भाजपा इस



आंदोलन को अराजकता पैदा करने की कोशिश बताती है.चुनाव आयोग कहता है—उसने कोई औपचारिक बैठक का अनुरोध नहीं पाया.और अदालत कह रही है कि जिन कानूनी सवालों पर याचिकाएं आई हैं, उनकी जांच होगी.

तो आम नागरिक पूछ सकता है—अगर संसद में सवाल का रास्ता सीमित हो जाए,सरकार से संवाद न हो,राष्ट्रपति के सामने शिकायत रखनी पड़े,चुनाव आयोग से मुलाकात न हो पाए,

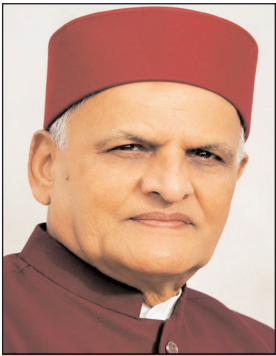
और अदालत में फैसला आने में समय लगे—तो लोकतांत्रिक असहमति अपना रास्ता आखिर कहाँ खोजे ?

यही आज की दिल्ली का सबसे बड़ा सवाल है !और इसका अगला अध्याय शायद और महत्वपूर्ण होगा.क्योंकि विपक्ष ने आंदोलन को सिर्फ दिल्ली तक सीमित रखने की घोषणा नहीं की है.अब 7 अक्टूबर को आक्रोश मार्च और आगे जिला स्तर के कार्यक्रमों की घोषणा हुई है.राष्ट्रपति का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा.

इसका दूसरा संभावित परिणाम यह हो सकता है कि एस आई आर का विवाद सिर्फ मतदाता सूची का प्रशासनिक मामला न रहकर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और संस्थागत स्वतंत्रता पर राष्ट्रीय बहस बन जाए.तीसरा रास्ता अदालत का है.अगर सुप्रीम कोर्ट एस आई आर और फॉर्म 6 या चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े सवालों पर कोई महत्वपूर्ण आदेश देता है, तो राजनीतिक विवाद का अगला केंद्र अदालत हो सकता है। चौथा और अंतिम रास्ता सबसे महत्वपूर्ण है—संवाद.क्या चुनाव आयोग विपक्षी दलों से औपचारिक बातचीत करेगा ?क्या विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज और प्रमाण आयोग के सामने रखेगा ?क्या सरकार इस विवाद को संसद में चर्चा के लिए पर्याप्त जगह देगी ?इन सवालों का जवाब आने वाले दिनों की राजनीति और संस्थागत संबंधों की दिशा तय करेगा।

विचार

गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी रहे लेकिन जनता का मताधिकार प्रभावित नहीं हो



गिरीश पंकज

भारतीय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं को लेकर विपक्षी दलों विशेषकर ‘इंडिया’ गठबंधन द्वारा लगातार उठाए जा रहे विरोध और आंदोलनों के पीछे कई प्रमुख विसंगतियाँ और राजनीतिक-प्रशासनिक मुद्दे बताए जा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि ये विसंगतियाँ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी निष्पक्षता को प्रभावित कर रही हैं। चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान के दौरान, पुराने और नए रिर्कोर्ड्स के मिलान में आने वाले अंतर को ‘तार्किक विसंगति’ माना गया। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस प्रक्रिया के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं विशेषकर विपक्षी झुकाव वाले क्षेत्रों के मतदाता हटाए जा रहे हैं या उन्हें जटिल सत्यापन प्रक्रियाओं में उलझाया जा रहा है। फॉर्म-6 के संशोधनों और सत्यापन नियमों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

नए कानूनों के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की चयन समिति के ढांचे में बदलाव किया गया है। विपक्ष का तर्क है कि चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर किए जाने से सरकार का प्रभाव

इस प्रक्रिया में बढ़ गया है। विपक्ष का आरोप है कि इसके कारण चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संवैधानिक संस्था निष्पक्ष रूप से काम करने के बजाय कार्यपालिका के प्रति अधिक झुकाव दिखा रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने चुनावी डेटा प्रबंधन, ईवीएम और मतदान के आंकड़ों में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विपक्ष का दावा है कि चुनाव के दौरान मिलने वाले मतों और अंतिम डेटा में कुछ असहमतियां या ‘संदिग्ध स्थितियां’ थीं, जिन्हें आयोग ने पारदर्शी तरीके से सामने नहीं रखा। विपक्ष का यह भी आरोप है कि जब भी वे चुनावी अनिश्चितताओं या डेटा विसंगतियों से जुड़े ज्ञापन या शिकायतें लेकर चुनाव आयोग के पास जाना चाहते हैं, तो उन्हें उचित समय या संवाद का अवसर नहीं मिलता। हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान विपक्ष ने आयोग पर संवादहीनता का भी आरोप लगाया है। चुनाव आयोग और सत्ताधारी दल ने इन सभी आरोपों को सिरि से खारिज किया है। आयोग का कहना है कि मतदाता सुचियों का पुनरीक्षण एक पारदर्शी, कानूनी और नियमित प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य फजी या दोहरे वोटों को हटाना है। आयोग ने इस तरह के दावों को निराधार बताया है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख को ठेस पहुंचाने वाला कार्र दिया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ के दौरान फॉर्म-6 में किए गए बदलावों और अंतरिक असहमति से जुड़े मामलों पर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई है। इस मामले को सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची

और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ कर रही है। चुनाव आयोग ने पहले एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया था कि एस आई आर प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 के साथ जोड़ा गया अतिरिक्त घोषणा-पत्र सुप्रीम कोर्ट द्वारा समर्थित या अनुमोदित है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चुनाव आयोग के इस दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा, ‘ यह बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि हमने फॉर्म -6के किसी भी संशोधित रूप को मंजूरी नहीं दी है,

पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने टिप्पणी की कि यदि रिकॉर्ड की जांच में यह पाया जाता है कि कोई भी निर्णय कानून के मुताबिक या वैध बहुमत/सर्वसम्मति से नहीं लिया गया है, तो अदालत के पास यह अधिकार है कि वह ऐसे फैसलों को कानूनी रूप से अमान्य कर दे। पीठ के एक न्यायाधीश ने इस प्रक्रिया पर चिंता जताते हुए टिप्पणी की कि बड़े पैमाने पर वंचित करना एक मनमाना कदम हो सकता है। याचिका में मुख्य चुनाव

समीक्षा की जाएगी कि आयोग के निर्णय कानूनी दायरे में लिए गए थे या नहीं। इस विवाद में तकनीकी प्रक्रियाओं और राजनीतिक लाभ-हानि के चरमों से देखने के बीच एक महीन रेखा होती है, जिसे समझना बहुत जरूरी है। चुनाव आयोग जैसी विशाल संस्था जब देश के स्तर पर मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण या विशेष गहन पुनरीक्षण करती है, तो इतने बड़े पैमाने पर डेटा प्रोपेसिंग में कुछ मानवीय और तकनीकी त्रुटियाँ होना स्वाभाविक है। कई बार ये खामियाँ किसी राजनीतिक मंशा के तहत नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर, फील्ड अधिकारियों के काम करने के तरीके या दस्तावेजों के सत्यापन में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों का परिणाम होती हैं, दूसरी ओर, जब भी कोई बदलाव या त्रुि ऐसी होती है जिसका असर किसी क्षेत्र या वर्ग विशेष पर पड़ता है, तो विपक्षी दलों द्वारा इसे अपने राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाना लोकतंत्र में एक सामान्य प्रक्रिया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र और स्वायत्त निर्णय के रूप में स्थापित किया गया है। इतिहास में भी कई ऐसे उदाहरण रहे हैं,जब चुनाव आयोग ने सत्ता में बैठे सरकारों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए हैं और चुनाव आवार

संहिता का कड़ाई से पालन कराया है। इसलिए, यह मान लेना कि पूरी संस्था सीधे तौर पर किसी एक दल को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है, संस्था के लंबे इतिहास और उसके संवैधानिक दर्जे के विपरीत हो सकता है। हालाँकि, प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और चयन प्रक्रिया के निर्माण पर सवाल उठाना नागरिकों और विपक्ष का एक लोकतांत्रिक अधिकार है, ताकि संस्था की निष्पक्षता पर आंच न आए। सुप्रीम

कोर्ट जैसी सर्वोच्च अदालत का इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करना और चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगना यह साबित करता है कि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्व-सुधार की गुंजाइश अभी भी मजबूत है। अदालत यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया के नाम पर किसी भी नागरिक का मताधिकार प्रभावित न हो। भारतीय चुनाव आयोग सहित देश की अन्य प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता, निष्पक्षता और पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न कानूनी विशेषज्ञों, समितियों और विधि आयोग द्वारा कई महत्वपूर्ण सुधार सुझाए गए हैं।

विशेष कदम उठाने की जरूरत

इन संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त और जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे चुनाव आयुक्तों या अन्य प्रमुख संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों के लिए एक ऐसा उच्चस्तरीय और निष्पक्ष कॉलेजियम होना चाहिए जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान भागीदारी हो, पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों और विशेषज्ञों की राय के अनुसार, इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि चयन समिति में कार्यपालिका का बहुमत न हो, बल्कि उसमें न्यायपालिका और विपक्ष के नेता की भी मजबूत भूमिका हो, ताकि किसी एक दल का एकाधिकार न दिखे। वर्तमान में कई संवैधानिक संस्थाओं के बजट का एक बड़ा हिस्सा या उनके प्रशासनिक खर्च सीधे तौर पर सरकार के मंत्रालयों या वित्त विभाग की स्वीकृति पर निर्भर होते हैं।

स्वदेशी यात्री विमान निर्माण की दिशा में भारत



महेन्द्र तिवारी

भारत के नागरिक उड्डयन मंत्रों द्वारा हाल ही में की गई यह घोषणा कि देश अगले 2 वर्षों के भीतर अपना पहला स्वदेशी वाणिज्यिक यात्री विमान तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, भारत के औद्योगिक और तकनीकी परिदृश्य में एक युगांतरकारी कदम है। यह उद्घोषणा केवल एक नई औद्योगिक परियोजना की शुरुआत मात्र नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत बड़ा और साहसिक संकल्प है। वर्तमान में वैश्विक यात्री विमान निर्माण उद्योग पर मुख्य रूप से केवल 2 विदेशी कंपनियों, अमेरिका की बोइंग और यूरोप की एयरबस का पूर्ण एकाधिकार है। पूरी

दुनिया की हवाई यातायात कंपनियां अपने विमानों के बेड़े के विस्तार और नवीनीकरण के लिए पूरी तरह से इन्हीं 2 निर्माताओं पर निर्भर हैं। इस असौमित्र निर्भरता के कारण नए विमानों की आपूर्ति में भारी देरी होती है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी प्रकार की बाधा आने पर पूरे विश्व का विमानन तंत्र बुरी तरह से प्रभावित होता है। ऐसे परिदृश्य में भारत द्वारा अपना स्वयं का यात्री विमान विकसित करना का दृढ़ निर्णय इस वैश्विक एकाधिकार को तोड़ने और एक नया, सुलभ तथा किफायती विकल्प प्रस्तुत करने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है।

आज भारत विश्व का सबसे तेजी से उभरता हुआ नागरिक उड्डयन बाजार बन चुका है। देश के भीतर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। मध्यम वर्ग के तीव्र विस्तार, बढ़ती विमान निर्माण उद्योग पर मुख्य रूप से केवल 2 विदेशी कंपनियों, अमेरिका की बोइंग और यूरोप की एयरबस का पूर्ण एकाधिकार है। पूरी

लिए अप्रत्याशित स्तर पर नए विमानों की खरीद के ऐतिहासिक समझौते किए हैं। हाल के वर्षों के आंकड़ों का मूल्यांकन करें तो ज्ञात होता है कि भारतीय विमानन कंपनियों ने 1600 से अधिक नए यात्री विमानों की खरीद के आदेश दिए हैं, जिनका कुल वित्तीय मूल्य अरबों रुपये से भी अधिक आंका गया है। यदि भारत अपने स्वयं के यात्री विमानों की निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम हो जाता है, तो देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी और देश का पैसा देश के भीतर ही रहेगा। इसके अतिरिक्त, जिस तीव्र गति से देश में हवाई अड्डों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए स्वदेशी विमानों की आवश्यकता और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। पिछले एक दशक में देश में छोटे और बड़े हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 160 के पार पहुंच गई है और सरकार की योजना आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत इसे और भी अधिक विस्तृत करने की है। इतने बड़े और व्यापक बुनियादी ढांचे के सुचारु संचालन के लिए देश को विमानों की निरंतर

आवश्यकता होगी, जिसकी पूर्ति स्वदेशी निर्माण से ही स्थायी और निर्बाध रूप से की जा सकती है। स्वदेशी विमान निर्माण की रूपरेखा और इसके व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करें तो यह स्पष्ट होता है कि यह लक्ष्य अत्यंत जटिल है और इसे रातों रात प्राप्त नहीं किया जा सकता। उड्डयन प्रौद्योगिकी अत्यंत संवेदनशील होती है, जहां त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं होती। हालांकि, भारत ने इस दिशा में अपना वैमानिकी आधारभूत ढांचा और एक मजबूत औद्योगिक परिस्थितिकी तंत्र विकसित करना आरंभ कर दिया है। सरकार की दूरदर्शी योजना है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को किसी अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यम के माध्यम से धरातल पर उतारा जाए। भारत के पास रक्षा क्षेत्र में सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों के निर्माण का दशकों पुराना और समृद्ध अनुभव है। वर्तमान समय में गुजरात राज्य के वजोदरा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना के तहत उन्नत सैन्य परिवहन विमानों का निर्माण किया जा रहा है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, ‘बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।’ बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, ‘कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ!’ राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, ‘कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।’ कुंभनदास

विनम्रतापूर्वक बोले, ‘महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं।’ हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।’

राजा ने पूछा, ‘क्या कविराज?’ कुंभनदास बोले, ‘आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्यकता है।’ कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

तुम्हारे जाने के बाद



रविकान्त राजूत

आज सुबह अधजागी हालत में
मैंने तुम्हें टटोलने के लिए हाथ बढ़ाया था ,
फिर याद आया कि तुम नहीं हो,
तो मैं झट से उठ बैठा और फिर
इस खालीपन के अहसास से भागने लिए
खुद को काम में झोंक दिया दिमभर

आज भी सुबह जब मैंने चाय रखता हूं
टेबल पर तो याद आता है
तुम तो ऐसे पीती थीं।
दवावाजा खोलता हूं

तुम चली गई, तबभी
कमरा कहां खाली हुआ
तुम्हारी गैरहाजिरी बेठी रही
कुर्सों पर,
और खिड़की के पास,
तुम्हारी आवाज उठरी रही।

तो एक पल को उम्मीद होती है
कि तुम सामने होओगी।
फिर याद आता है
तुम तो हो नहीं ।

मैं अब भी यह मान नहीं पा रहा
कि तुम यहीं नहीं हो
बार-बार आधा मुड़कर देखात हूं
ये देखने कि तुम क्या कर रही हो,

और तब मैंने जाना
मोहब्बत का वचुद फ़क़त
साथ होने में नहीं,
किसी के न होने पर भी

उसके लिए
जगह बची होने में होता है।

जबलपुर ,मध्यप्रदेश

व्यंग्य केसरी

बिजली के बिल में ट्रैफिक चालान!



अशोक 'मतवाला'

अब सड़क की गलती का झटका घर की बत्ती के साथ लगेगा. ट्रैफिक पुलिस ने चालान काटा और आदमी ने सोचा— ‘अभी नहीं भरता, बाद में देखेंगे।’

लेकिन अगर बकाया ट्रैफिक चालान की वसूली के लिए बिजली की बिल से जोड़ने का सुझाव कभी व्यवस्था बन गया, तो वह ‘बाद में’ सीधे घर के मीटर तक पहुंच सकता है।

हाल में सुप्रीम कोर्ट में बकाया ई-चालानों की वसूली पर सुनवाई के दौरान ऐसे सुझाव पर चर्चा हुई। ध्यान रहे, यह कोई लागू आदेश नहीं, बल्कि वसूली के संभावित तरीकों पर हुई चर्चा का हिस्सा था।

अब कल्पना कीजिए।

महीने की पहली तारीख को बिजली का बिल आया।

पत्नी ने पूछा— ‘कितना आया?’

पति बोला— ‘बिजली का बिल तो 1,800 रुपये है... लेकिन कुल 3,800 रुपये।’

पत्नी ने पूछा— ‘बाकी 2,000 रुपये किस बात के?’

पति ने धीरे से कहा— ‘पिछले महीने ट्रैफिक पुलिस ने याद किया था।’

पत्नी बोली— ‘मैं तो समझती थी बिजली का मीटर यूनिट गिनता है!’

पति ने कहा— ‘अब हमारी झाड़विंग भी गिनेगा!’

और यहीं से भारतीय परिवार में बिजली बचाने के साथ-साथ चालान बचाने की मुहिम भी शुरू हो सकती है।

पहले लोग कहते थे— ‘बत्ती बंद करो, बिजली बचेगी!’ अब शायद कहा जाएगा— ‘ट्रैफिक नियम मानो, बिजली का बिल बचेगा!’

व्यवस्था यहीं रुक जाए तो भी गनीमत है। कल को कोई और विभाग कह सकता है—सड़क पर कूड़ा फेंका? पानी के बिल में जोड़ दो। पार्किंग का जुर्माना नहीं भरा? गैस बिल में जोड़ दो। नगर निगम का बकाया है? मोबाइल रिचार्ज में जोड़ दो।

फिर नागरिक के पास बिल नहीं आएंगे, सरकारी हिसाब-किताब की संयुक्त वार्षिक रिपोर्ट मजाक होना चाहिए कि नागरिक हर सरकारी बिल खोलने से पहले दिल थामकर बैठे।

इतिहास

8 अक्टूबर का दिन भारतीय इतिहास में भारतीय वायु सेना दिवस और महान लेखक मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि के रूप में दर्ज है। प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1932: भारतीय वायु सेना (IAF) की स्थापना हुई थी। इसे पहले ‘रॉयल इंडियन एयरफोर्स’ कहा जाता था। 1871: अमेरिका के शिकागो शहर में भूयंकर आग लगी थी, जिसमें शहर का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था। 1945: आविष्कारक पर्सी स्पेंसर ने माइक्रोवेव ओवन का पेटेंट कराया था। 1956: बेसबॉल खिलाड़ी डॉन लार्सन ने वर्ल्ड सीरीज के इतिहास में पहला परफेक्ट (बिना कोई रन दिए) गेम खेला था। प्रसिद्ध निधन 1936: हिंदी और उर्दू के महान कथाकार व उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद का निधन हुआ था।

बिलासा देवी की नगरी बिलासपुर शहर अपनी बदहाली पर बहा रहा हैं आंसू..

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के वर्षों बाद भी विकास की बाट जोह रहा हैं.. छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर बिलासपुर में रेलवे जोन, ए सी सी एल का होना जहाँ वरदान साबित हो सकता था वहीं बिलासपुर शहर के आस पास में वन का होना पर्यावरण को शुद्ध कर सकता है इसके साथ ही यहां उच्च न्यायालय का होना अपने आप में गौरवान्वित महसूस करने वाली बात थी देखा जाए तो बिलासपुर शहर हिंदुस्तान में अपनी एक अलग पहचान रखता है। इस शहर में पूरे भारत के लोग निवास करते हैं कोई व्यापार कर रहा है तो कोई नौकरी वहीं हर राज्य से शिक्षा के लिए युवाओं का आना जाना लगा रहता और वे सभी चाहते हैं कि बिलासपुर शहर विकसित और युवाओं के पास रोजगार हो शहर साफ सुथरा रहे अरपा नदी की एक अलग पहचान बने और पुरे समय नदी में साफ सुथरा जल भरा रहे जिससे लोगों को स्वच्छ जल के साथ साथ शहर में भूमिगत जल श्रोत भी बनी रहे पर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद जिस रूपतार से बिलासपुर का विकास होना था वो संभव नहीं हो पाया इसके लिए साफ निपट और दूरदर्शिता रखने वाले जनप्रतिनिधि और अधिकारी यदि



मिलकर कार्य करते तो बिलासपुर शहर बहुत खूबसूरत बन सकता था जिसके लिए जरूरी था शासन प्रशासन को ईमानदारी से पहल करने की। शासकीय राशि का सही जगहों पर सदुपयोग और व्यवस्थित कार्य योजना से इस शहर की भव्यता और विकास का कार्याकल्प होने से ही यह बिलासपुर शहर न्यायधानी और संस्कारधानी के रूप में पूर्ण रूप से परिपूर्ण होता पर अफसोस राज्य बनने के इतने वर्षों बाद भी बिलासपुर शहर आज भी विकास से कोसों दूर है और बिलासा देवी की यह नगरी बिलासपुर शहर आज भी अपनी बदहाली से यह भी कहा जा सकता है की उनके पुरे कार्यकाल में ठेकेदार

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद प्रदेश में कांग्रेस से प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में अजीत जोगी बिलासपुर शहर को नया रूप देने में जरूर कोशिश करने में लगे रहे पर कांग्रेस की अंदरूनी कलह और उनके अपने चंद गढ़ारों ने उसे गद्दी से ही उतार दिया और जीवन भर अजीत जोगी निराशा और अपमान के दलदल में फंसे रह गए। उसके बाद राज्य में लगातार तीन पंचवर्षीय भाजपा की सरकार रही और उनके ही पार्टी से अमर अग्रवाल बिलासपुर का विधायक और मंत्री भी बने पर पुरे कार्यकाल में उन पर आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला चलता रहा जो जग जाहिर है एक तरह से यह भी कहा जा सकता है की उनके पुरे कार्यकाल में ठेकेदार

,राजनेता,सरकारी अफसर का एक ऐसा गठजोड़ बना रहा कि बिलासपुर शहर एक प्रयोगशाला बनकर रह गया। बिलासपुर एवं आसपास के जीवन दायिनी कहे जाने वाली अरपा नदी को मल मूत्र और गन्दगी से पाटकर दाम दार बना दिया गया अगर आज बिलासा दाई रहती तो अरपा नदी और बिलासपुर शहर की बदहाली देखकर शासन प्रशासन को कोसते नजर आती भले ही बिलासपुर शहर को स्मार्ट सिटी के नाम से जाना जाता है पर इस स्मार्ट सिटी में धूल के गुब्बार और बीमारी के अलावा आम नागरिकों को कुछ नहीं मिल पाया इसी दौरान प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की लहर चली और बिलासपुर के मतदाताओं ने कांग्रेस के एक बुद्धिजीवी नेता शैलेश पाण्डेय को विधायक के रूप में चुना पर वह बुद्ध जीवी नेता तो और महान निकला केवल भाषण देते अपना कार्यकाल पूरा कर लिया इनके कार्यकाल में उनकी अपनी पार्टी से भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री और कांग्रेस की सत्ता रहते हुए भी विकास की गति को आगे नहीं बढ़ा सके बुद्धजीवी समझे जाने वाले वह विधायक गुटबाजी में ही उलझ कर रह गया शिक्षा के क्षेत्र में रहने की वजह में वो ज्ञानी तो था लेकिन उनका ज्ञान पुरे कार्यकाल में कोई काम नहीं आया और पुरे पांच साल पार्टी की अंदरूनी लड़ाई में फंसे के फंसे रह गए

और अपने साथ भेदभाव होने का षडियाली आंसू बहाते नजर आए जिससे बिलासपुर शहर का विकास कार्य बाधित हो गया और पुनः टिकट मिलने पर वे चुनाव हार गए अभी वर्तमान में बिलासपुर शहर के फिर से वही पुराने सेट जी अमर अग्रवाल पुनः विधायक बन गए हैं और प्रदेश में भाजपा की सरकार भी है पर वह अपनी वही पुरानी परिपाटी को जारी रखते हुए जाति और समाज को साधने में लगे हुये हैं बिलासपुर शहर के युवाओं को जाति में बाँटकर अपना उल्लू सीधा कर अपनी राजनीती चमकाते नजर आ रहे हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता हैं की उन्हें विकास से कोई सरोकार नहीं है यह बिलासपुर शहर के लिए दुर्भाग्य ही कहा जाएगा की छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद आज तक जो भी विधायक बने और उनकी अपनी पार्टी के सत्तासीन होने के बावजूद बिलासपुर शहर आज भी विकास की बाट जोह रहा है समय साधन और संसाधन रहने के बावजूद बिलासपुर को वो मुकाम हासिल ना हो पाया जिसका वो हकदार था इसके लिए शायद शासन प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जाना गलत नहीं होगा बहरहाल अब बिलासपुर शहर को ऐसे मसीहा की तलाश है जो बिलासा देवी की विरासत को संभाल सके और बिलासपुर शहर को संवार सके ।

अरुण साव ने किया 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ



विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बुधवार को स्व. बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, बहतराई में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ किया। पांच संभागों से आए खिलाड़ियों के मार्च पास्ट की सलामी ली और गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का आगाज किया। बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, सरगुजा और दुर्ग संभाग के 571 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। उपमुख्यमंत्री साव ने खिलाड़ियों

का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बहतराई की खेल भूमि ने देश और प्रदेश को कई प्रतिभावान खिलाड़ी दिए हैं। इसी मैदान पर खेलकर संजू देवी ने एशियन गेम्स कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता, वहीं मधु सिदार और गीता यादव ने अंडर-19 महिला हॉकी में देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संदेश 'जो खेलेगा, वही खिलेगा' का उल्लेख करते हुए खिलाड़ियों से पूरी खेल भावना और आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

मवेशियों तस्करी के मामले में थाना पामगढ़ पुलिस की सख्त कार्रवाई

विश्व केसरी■
पामगढ़ पुलिस ने 19 मवेशी किए जब्त, आरोपी गिरफ्तार
पामगढ़ (नीरज शर्मा)। जिले के पामगढ़ थाना पुलिस ने मवेशियों को अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 7 बैंसी और 12 बैंस समेत कुल 19 मवेशी जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2.50 लाख रुपये है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बोरसी निवासी रामसागर महिलांगे उर्फ ढुलू (55) मवेशियों को मारते-पीटते और बिना चारा-पानी के डोंगाकोहरोद की ओर ले जा रहा है। कार्रवाई कर आरोपी को पकड़ा गया। पृछताछ के बाद उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 व 10 के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।



को पकड़ा गया। पृछताछ के बाद उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम

आंगन मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए जनपद अध्यक्ष रंजना जांगड़े

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। ग्राम पंचायत मेहंदी में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चारों आंगनवाड़ी केंद्रों के संयुक्त तत्वावधान में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंजना मानेश जांगड़े अध्यक्ष जनपद पंचायत पामगढ़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संतोषी साहू उपाध्यक्ष भाजपा मंडल पामगढ़ रहे।कार्यक्रम के माध्यम से महिला साक्षिकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं आंगनवाड़ी सेवाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संकल्प एव शपथ दिलाया गया इस मौके पर ,जनपद अध्यक्ष रंजना मानेश जांगड़े द्वारा चारों आंगन बाड़ी के बच्चों के लिए खिलौने,पानी बाटल एवं चाकलेट वितरण किए । कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोषी सुखसागर अजगल्ले सरपंच मेहंदी श भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चंद्राम जांगड़े,



निलेश गुप्ता, महिला सभा के प्रदेश अध्यक्ष रेखा केशरवानी, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अशोक केशरवानी सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी, केशरवानी गुप्ता समाज की महिलाएं बच्चे और पुरुषों सहित अफरीद, सारागांव, जांजगीर,

गौ सेवा और संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ का दसवां स्थापना दिवस



विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ का दसवां स्थापना दिवस राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें गौ संरक्षण, गौ सेवा तथा समाज में गौवंश के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में शेख आसिफ, महुआ मजूमदार, गणेश सिंह परिहार, उदय भान सिंह चौहान, अजंता चौधरी एवं पद्मिनी वर्मा सहित अन्य गणमान्यजन मंच पर उपस्थित रहे। समारोह में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में गौ रक्षक, गौ भक्त, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालने के साथ हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय गौ रक्षा महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष चंद्रन सिंह राजपूत ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों तथा गौ संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा करते हुए सभी गौ रक्षकों और गौ भक्तों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवा एवं संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय

योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से गौ सेवा के प्रति समर्पित लोगों के कार्यों को प्रोत्साहित किया गया और समाज के अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य से जुड़ने का संदेश दिया गया। में वक्ताओं ने गौ संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी बताया हुए गौवंश की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में छत्तीसगढ़ प्रभारी गणेश सिंह परिहार ने आभार व्यक्त करते हुए आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, गौ रक्षकों, गौ भक्तों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्राकृतिक उत्पादों से बना विशाल रंगोली बना आकर्षण का केंद्र

विश्व केसरी■
बलौदाबाजार (ताराचंद कठोरे)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन बुधवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में किया गया। इसके तहत पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान बलौदाबाजार मे आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा मे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सम्बोधन कार्यक्रम का जीवंत प्रसारण को एलईडी टीवी के माध्यम से देखा गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने विकसित भारत का संकल्प लिया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा शिववर्तन शर्मा,डॉ.सनम जांगड़े, प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी,जिला अध्यक्ष आनंद यादव,जिला उपाध्यक्ष पवन वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा उपस्थित थे। सभा के उपरांत सेवा ज्योति कलश यात्रा हेतु ज्योति रथ मे ज्योत प्रज्वलित कर सेवा ज्योति कलश यात्रा प्रारम्भ किया गया।



रिश्वतखोरी और तानाशाही के खिलाफ संत ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी■
नवागढ़ (नीरज शर्मा)। सरकारी कर्मचारियों पर कथित रिश्वतखोरी, मनमानी और तानाशाही के गंभीर आरोप लगाते हुए सतलोक आश्रम मुक्तिधाम तुलसी के संत बुधराम दिनकर भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। संत ने अपनी विभिन्न शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए तहसील नवागढ़ के सामने भूख हड़ताल शुरू की है। संत का कहना है कि लंबे समय से अधिकारियों के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत कर संबंधित मामलों की कार्रवाई की मांग की जाती रही, लेकिन अर्पेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। पोस्टर में कई मामलों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ जांच तथा कार्रवाई की मांग की गई है। संत ने आरोप लगाया है कि आम

लोगों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है और कथित रूप से पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उनके पद से हटाने तथा मामलों की निष्पक्ष जांच करने की मांग उठाई है। पोस्टर में 31 दिसंबर 2024 की शिकायत, शिवरीनारायण तहसील से जुड़े 29 मई 2025 के मामले, सितंबर 2025 में दी गई शिकायतों तथा 20 अक्टूबर 2025 को एसडीएम कार्यालय से जुड़े मामले का उल्लेख किया गया है। संत ने इन सभी मामलों में कार्रवाई की मांग की है। संत बुधराम दिनकर ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। आंदोलन को लेकर प्रशासन की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर लोगों की नजर बनी हुई है।

माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर होगा भव्य नवरात्रि-दशहरा मेला

पहली बार मौत का कुआं सहित अनेक आकर्षण

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण में व्यापारी स्टॉल एवं जगह के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। इस वर्ष नवरात्रि-दशहरा मेला 2026 का आयोजन 20 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। वहीं मेले के दौरान पहली बार तीन दिवसीय भव्य शिवरीनारायण महोत्सव 2026 का आयोजन 14 से 16 अक्टूबर 2026 तक नगर पंचायत के सामने किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल शर्वाई ने बताया कि इस वर्ष नवरात्रि-दशहरा मेला को माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर अधिक



भव्य, आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित स्वरूप देने की तैयारी

के स्टॉल तैयार करवाए जा रहे हैं। स्टॉल आवंटन हेतु 5 अक्टूबर 2026 से नगर पंचायत कार्यालय में आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। इस वर्ष मेले में पहली बार मौत का कुआं प्रमुख आकर्षण के रूप में शामिल होगा। इसके अलावा आकाश झूला, टोरा-टोरा, ब्रेक डांस, ड्रैगन झूला, ऑक्टोपस झूला सहित विभिन्न प्रकार के आधुनिक एवं आकर्षक झूले लगाए जाएंगे। साथ ही भव्य मीना बाजार, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं खान-पान के स्टॉल भी मेले में आकर्षण का केंद्र रहेंगे। नवरात्रि-दशहरा मेला के दौरान पहली बार शिवरीनारायण महोत्सव

2026 का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक एवं मनोरंजक गतिविधियों के साथ माघी पूर्णिमा मेला की तर्ज पर विभिन्न प्रकार के व्यापारिक एवं दुकान स्टॉल लगाए जाएंगे। शिवरीनारायण की धार्मिक एवं पवित्र नगरी की गरिमा को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि-दशहरा मेला अर्थात् मांस, मछली, अंडा एवं अन्य नॉनवेज खाद्य सामग्री की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। नगर पंचायत द्वारा इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था एवं निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

महामाया अध्यात्म परिषद का मासिक सत्संग आयोजित

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महामाया अध्यात्म परिषद का मासिक सत्संग आयोजित हुआ छत्तीसगढ़ की काशी, माता शबरी की धाम एवं त्रेता युगीन दंडकारण्य तीर्थ क्षेत्र खरौरी में महामाया आध्यात्म परिषद द्वारा लगातार 14 वर्षों से मासिक सत्संग का आयोजन माह के प्रथम रविवार को होते आया है। प्रथम रविवार 4 अक्टूबर को मां महामाया के मंदिर में यह सत्संग आयोजित हुआ। सर्वप्रथम मां महामाया की पूजा बंशी की धुन अपनी सभी सुध बुध भूल गए। धनसाय यादव ने राम जन्म के समय राम जी के दर्शन के लिए शिवजी एवं काभुसुंडि जी के कड़ा वेश धारण करने के प्रसंग को वर्णन किया। हेमलाल यादव गुरु जी ने पितृपक्ष में पितरों को जल



तर्पण एवं उनकी पूजा करना का सम्मान हो। सुमित्रा आदित्य ने कहा कि भगवान भोलोनाथ श्री कृष्ण के रास में नारि बनकर पहुंच गए पर बंशी की धुन अपनी सभी सुध बुध भूल गए। धनसाय यादव ने राम जन्म के समय राम जी के दर्शन के लिए शिवजी एवं काभुसुंडि जी के कड़ा वेश धारण करने के प्रसंग को वर्णन किया। हेमलाल यादव गुरु जी ने पितृपक्ष में पितरों को जल

तर्पण एवं उनकी पूजा करना आवश्यक बताया। अध्यात्म परिषद के अध्यक्ष शिवरात्रि यादव ने कहा कि भजन से सभी पाप कर जाते हैं महाप्रसाद को अन्न मानना, एवं भगवान के भक्तों में जाति भेद के रूप में देखाये पांच अपराध भजन से भी नहीं करटते।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, मेटल और रियल्टी में रहा दबाव

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 429.11 अंक या 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,638.70 और निफ्टी 173.05 अंक या 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,603.05 पर था।

बाजार पर दबाव बनाने का काम मेटल और रियल्टी स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मेटल -2.33 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी -1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी ऑटो -1.58 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज -1.43 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस -1.41 प्रतिशत, निफ्टी आईटी -1.34 और निफ्टी पीएसई -1.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

केवल निफ्टी पीएसयू बैंक 1 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 0.69 प्रतिशत और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ



बंद हुए। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 378.60 अंक या 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,382.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100

इंडेक्स 58.25 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,506.95 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस हर निशान में थे। टाइटन,

बीईएल, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एलएंडटी, टाटा स्टील, एमएंडएम, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंडिगो, एचयूएल, सन फार्मा, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टेक महिंद्रा लाल निशान में थे।

जानकारों ने कहा कि आरबीआई द्वारा उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरें बढ़ाने के बाद, घरेलू बाजार ने पॉलिसी के रुख में 'न्यूट्रल' से 'केलिब्रेटेड टाइटनिंग' की ओर बदलाव पर ज्यादा तेजी से प्रतिक्रिया दी, जो ब्याज दर चक्र में बदलाव का संकेत है।

वहीं, यूएस एफओएससी की बैठक से पहले, यूएस यील्ड में बढ़ोतरी, मजबूत डॉलर और एफआईआई की लगातार निकासी के बीच रुपया दबाव में रहा, जिससे बाजार में गिरावट और बढ़ गई। सेक्टर के हिसाब से देखें तो, ऊंची ब्याज दरों वाले माहौल में मार्जिन से फायदे की उम्मीद में बैंकिंग शेयरों ने बाजार की कमजोरी के उलट अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि बाजार के ज्यादातर हिस्सों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

नवरात्रि पर चांदी भंडार लाया है बेहद ख़ास 'आरण्या' एडिट

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर में नवरात्रि एक त्योहार से कहीं अधिक है। यह आस्था और सामाजिक एकजुटता का एक भव्य उत्सव है, जो नौ दिनों की भक्ति और उत्सव के माध्यम से लोगों को आपस में जोड़ता है। इस पावन पर्व के केंद्र में माँ दुर्गा हैं, जिनकी उनके नौ दिव्य रूपों में पूजा की जाती है, और प्रत्येक रूप शक्ति व साहस से लेकर करुणा, ज्ञान और कृपा तक नारी शक्ति की एक अनूठी अभिव्यक्ति है। एक साथ मिलकर, ये सभी रूप नवरात्रि को नारी भावना के विविध पहलुओं का एक भव्य उत्सव बनाते हैं।

इसी दिव्यता से प्रेरित होकर, चांदी भंडार ने 'आरण्या' प्रस्तुत किया है, जो नवरात्रि के इस विशेष उत्सव के लिए उसके ऑक्सीडाइज़्ड चांदी के आभूषणों की एक बेहतरीन फेस्टिव प्रेजेंटेशन है। 'आरण्या' नाम 'अरण्य' यानी जंगल से लिया गया है, जो जमीन से जुड़ा हुआ और प्रकृति के बेहद करीब है। यह एक ऐसी सुंदरता को दर्शाता है जो मिट्टी से जुड़ी होने के



साथ-साथ अपने आप में बेहद शक्तिशाली भी है। इसकी ऑक्सीडाइज़्ड फिनिश हर एक ज्वेलरी को हमारी प्राचीन संस्कृति से जोड़ती है, जबकि इसके काम्प्लेक्स डिजाइन के साथ ट्रेडिशनल क्राफ्ट्समैनशिप कटेम्परी अपील देते हैं।

92.5 स्टर्लिंग सिल्वर में गढ़ा गया और ऑक्सीडाइज़्ड ट्रीटमेंट से संवारा गया 'आरण्या' एडिट स्टेटमेंट पीस और रोजमर्रा के आभूषणों का एक अनूठा संगम है, जो ऑक्सीडाइज़्ड सिल्वर और भी बेहतरीन तरीके से पेश करता है। 'आरण्या' एडिट के अलावा,

पुरुष चांदी भंडार के 'अमोघ' कलेक्शन का भी रुख कर सकते हैं, जिसमें चांदी की चेन, पेंडेंट, अंगूठियां और कंगन का एक आकर्षक और विविधता से भरा कलेक्शन शामिल है। यह फेस्टिव कलेक्शन चांदी भंडार के 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी में झुमके, चूड़ियां, अंगूठियां, कंगन और पायल शामिल हैं, जो हर शैली और उत्सव के अनुकूल हैं। छोटे बच्चों के लिए, विशेष 'ट्रेसर्स' कलेक्शन उनके ख़ास पलों को यादगार बनाने के लिए सोच-समझकर तैयार किए गए सिल्वर पीसेज को एक साथ लाता है।

तमिलनाडु: कटौती के कारण दूध की कीमतें में वृद्धि, तिरुचि के किसानों को नहीं मिली राहत

विश्व केसरी■

तिरुची। दूध खरीद भुगतान में कटौती को लेकर तिरुचि के दुग्ध उत्पादक किसानों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं। उनका कहना है कि उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा घोषित संशोधित दर से कम राशि मिल रही है।

राज्य सरकार ने हाल ही में गाय के दूध की खरीद दर में 6 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यह 38 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 44 रुपये प्रति लीटर हो गई है। भैंस के दूध की खरीद दर 53 रुपये प्रति लीटर तय की गई है। यह विवाद 3 अक्टूबर को किसानों के बैंक खातों में भुगतान पहुंचने के बाद सामने आया।

दूध उत्पादकों का आरोप है कि सहकारी दुग्ध समितियों ने उनके भुगतान में से प्रति लीटर 4 रुपये काट लिए हैं, जिससे उन्हें मिलने वाली राशि घटकर 40 रुपये रह गई है। जब किसानों ने इस कटौती का



कारण पूछा, तो समिति के अधिकारियों ने कथित तौर पर बताया कि यह राशि कर्मचारियों के वेतन, प्रशासनिक खर्च, त्योहार बोनस और महीने के अंत में मिलने वाले इंसेंटिव (प्रोत्साहन राशि) के लिए रोकी गई है।

उन्होंने बताया कि उन्हें जो विवरण दिया गया था, उसमें वेतन और प्रशासन के लिए 1.85 रुपये प्रति लीटर, पोंगल बोनस के लिए 1.15 रुपये और महीने के अंत में

प्रोत्साहन राशि के रूप में भुगतान के लिए 1 रुपये शामिल थे।

किसानों का तर्क था कि इन कटौतियों से मूल्य संशोधन से मिलने वाली राहत कमजोर हो गई है, खासकर तब जब चारे, पशु आहार और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर खर्च बढ़ गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रशासनिक और संबंधित लागतें वहन करनी चाहिए, न कि उत्पादकों पर डालनी चाहिए। हालांकि, आविन के तिरुची

प्रबंधन ने कटौती को लेकर अलग ब्यौरा दिया है। उन्होंने बताया कि सहकारी दुग्ध समितियों के प्रशासनिक खर्चों के लिए 1.75 रुपये प्रति लीटर वसूल जा रहे हैं, जबकि 1 रुपया किसानों को भुगतान के लिए रखा जा रहा है। उत्पादकों को 2.75 रुपये की कटौती के बाद उनके बैंक खातों में 41.25 रुपये प्रति लीटर प्राप्त होंगे।

प्रबंधन ने कहा कि बोनस के लिए कोई अलग से कटौती नहीं की जाएगी। एकत्रित 1.75 रुपये में से आधा हिस्सा सोसायटी के खर्चों को कूल पैट बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह करीब 10 प्रतिशत थी। यह बढ़ोतरी दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के बढ़ते विकल्प और पीएम ई-ड्राइव व विभिन्न राज्यों की प्रोत्साहन योजनाओं ने

इलेक्ट्रिक वाहनों को केवल एक वैकल्पिक विकल्प नहीं, बल्कि कई खरीदारों के लिए प्राथमिक विकल्प

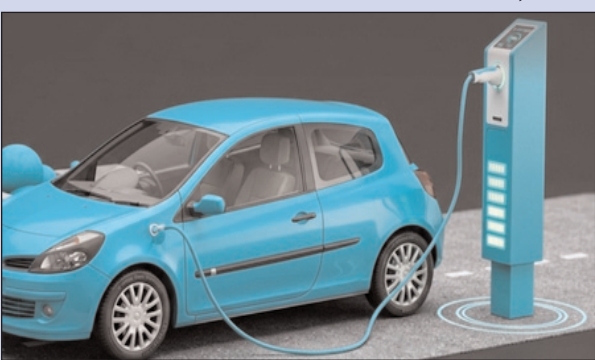
सितंबर में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री, 74 प्रतिशत बढ़कर 3.33 लाख यूनिट हुई: फाडा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार ने सितंबर 2026 में नया रिकॉर्ड बनाया। फाडा यानी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में देश में 3,33,634 इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 74 प्रतिशत अधिक है।

इस दौरान विभिन्न वाहन श्रेणियों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री ने वास्तविक रूप से नया सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों की मांग, कम परिचालन लागत, मॉडलों के बढ़ते विकल्प और पीएम ई-ड्राइव व विभिन्न राज्यों की प्रोत्साहन योजनाओं ने

इलेक्ट्रिक वाहनों को केवल एक वैकल्पिक विकल्प नहीं, बल्कि कई खरीदारों के लिए प्राथमिक विकल्प



केवल पिछले वर्ष के कमजोर आधार का परिणाम नहीं है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री ने वास्तविक रूप से नया सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने आगे कहा कि त्योहारों की मांग, कम परिचालन लागत, मॉडलों के बढ़ते विकल्प और पीएम ई-ड्राइव व विभिन्न राज्यों की प्रोत्साहन योजनाओं ने इलेक्ट्रिक वाहनों को केवल एक वैकल्पिक विकल्प नहीं, बल्कि कई खरीदारों के लिए प्राथमिक विकल्प

गिरिधर ने कहा कि अब यह केवल सख्बिडी-आधारित बाजार नहीं रह गया है, बल्कि मांग-आधारित विकास की कहानी बन चुका है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी भारत की विकास यात्रा का एक स्थायी हिस्सा बन चुकी है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ई2डब्ल्यू) की बिक्री में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई। सितंबर में इनकी खुदरा बिक्री 2,07,314

यूनिट रही, जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 88.67 प्रतिशत और मासिक आधार पर 13.16 प्रतिशत अधिक है। इस श्रेणी में ईवी पैट बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 8.2 प्रतिशत थी।

वहीं, इलेक्ट्रिक यानी वाहनों (ईपीवी) ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। सितंबर में इनकी बिक्री 36,108 यूनिट रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 94.56 प्रतिशत और अगस्त की तुलना में 17.63 प्रतिशत अधिक है। इस श्रेणी में ईवी पैट बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गई, जो एक वर्ष पहले 5.7 प्रतिशत थी।

इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहनों (ई3डब्ल्यू) की बिक्री 86,024 यूनिट रही, जिसमें सालाना आधार पर 40 प्रतिशत और मासिक आधार पर 7.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैट पहले से ही बेहद मजबूत है और सितंबर में यह 64.9 प्रतिशत रही।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'जीएसटी और भारतीय अर्थव्यवस्था' पर विशेष व्याख्यान

विश्व केसरी■

रायपुर। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (KVGU), रायपुर के स्कूल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट द्वारा 7 अक्टूबर 2026 को 'GST' और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर' विषय पर एक ज्ञानवर्धक गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में BBA और BCOM के 70 से अधिक उसाही विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के फैकल्टी मेंबर्स ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

प्रो. वाई. नरसिम्हल्लू — कुलपति, कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर डॉ. रितेश कुमार देवांगन — कुलसचिव (रजिस्ट्रार), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

डॉ. सोमा अग्रवाल — निदेशक (IQAC), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर डॉ. संदीप सोनकर — परीक्षा नियंत्रक (COE), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर

सत्र के मुख्य वक्ता, विवेकानंद मानव उत्कृष्टता संस्थान (रायपुर) के सहायक प्रोफेसर और कराधान, जीएसटी कानून एवं भारतीय अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञ एम. आदिश शेख्या ने व्यावहारिक उद्योग मानकों के साथ सैद्धांतिक ज्ञान का बेहतरीन समन्वय करते हुए एक आकर्षक प्रस्तुति दी।

अपने व्याख्यान के दौरान, शेख्या ने 1 जुलाई 2017 को 'एक राह, एक कर' के सिद्धांत के तहत वस्तु एवं सेवा कर (GST) के कार्यान्वयन के बाद से



इसकी विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। रोजमर्रा के सरल उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने दोहरे कराधान के प्रभाव को समाप्त करने तथा उत्पाद शुल्क (Excise), वैट (VAT) और सेवा कर (Service Tax) जैसे पूर्ववर्ती अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करने के लिए तस्ख की आवश्यकता को समझाया। उन्होंने कर ढांचे की व्यावहारिक कार्यप्रणाली को स्पष्ट करते हुए CGST, SGST, IGST और UTGST की संरचनात्मक भूमिका के साथ-साथ 0% से 28% तक के विभिन्न कर स्लैब की विस्तृत जानकारी दी।

व्यापक आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करते हुए, श्री शेख्या ने बताया कि कैसे तस्ख ने सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि को बढ़ावा दिया है, राष्ट्रीय कर आधार को 1.4 करोड़ से अधिक करदाताओं तक पहुंचाया है, राज्य की चेक-पोस्टों को हटाकर लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार किया है, तथा 'मेक इन इंडिया' और 'ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस' जैसी पहलों को मजबूत किया है। छोटे

और मध्यम उद्यमों (SMEs) के लिए अनुपालन के बोझ और तस्ख पोर्टल से जुड़ी शुरुआती तकनीकी चुनौतियों जैसी कठिनाइयों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ई-इनवॉइसिंग, सरल तस्ख फाइलिंग और कंपोजीशन स्कीम जैसे हालिया सुधार व्यवसाय और उपभोक्ता दोनों के लिए प्रक्रिया को सुगम बना रहे हैं।

यह कार्यक्रम एक रोचक और संवादात्मक प्रश्नोत्तर (Q&A) सत्र के साथ संपन्न हुआ, जहाँ विद्यार्थियों ने स्टार्टअप्स के लिए तस्ख अनुपालन, ई-कॉमर्स और एक प्रमाणित GST प्रैक्शनर के रूप में करियर के बढ़ते अवसरों जैसे व्यावहारिक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन स्कूल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष अपूर्व जडेजा के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए श्री शेख्या का आभार व्यक्त किया, निरंतर सहयोग के लिए KVGU प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

रेपो रेट को 25 आधार अंक बढ़ाना 'संतुलित कदम', कर्ज लेना होगा महंगा : शीर्ष बैंक अधिकारी

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से होम लोन ग्राहकों और छोटे कारोबारों के लिए कर्ज लेना महंगा होने की उम्मीद है। शीर्ष बैंकों और अर्थशास्त्रियों ने बुधवार को कहा कि इस कदम का उद्देश्य अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास गति को प्रभावित किए बिना महंगाई के दबाव को नियंत्रित करना है।

इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ऊंची ब्याज दरों का असर स्वाभाविक रूप से कर्ज लेने वालों खासकर होम लोन ग्राहकों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बैंकों



को ऊंची ब्याज दरों के असर को ग्राहकों तक पहुंचाने और उत्पादक कर्ज की मांग को लगातार समर्थन देने के बीच संतुलन बनाना होगा।

श्रीवास्तव ने आरबीआई द्वारा रेपो रेट को 25 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत करने के फैसले को 'संतुलित और पूर्व-सावधानी वाला कदम' बताया।

आरबीआई एमपीसी बैठक: वित्त वर्ष 2027 के लिए 7.1 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान, नीतिगत रुख सख्त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती महंगाई के जोखिमों के बावजूद आरबीआई ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भरोसा जताया है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद गवर्नर ने कहा कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां वैश्विक चुनौतियों के बीच भी लचीली बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जो मजबूत घरेलू मांग और



निवेश गतिविधियों का परिणाम है। आरबीआई के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (क्यू2) में वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही (क्यू3) में 6.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही (क्यू4) में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं अगले वित्त

वर्ष की पहली तिमाही के लिए भी 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान केंद्रीय बैंक के अर्थव्यवस्था पर बने विश्वास को दर्शाता है। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों में कारोबारी गतिविधियां विस्तार की राह पर हैं। दूसरी तिमाही के

दौरान मैनुफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई वृद्धि क्षेत्र में बने रहे, हालांकि उनकी गति पिछली तिमाही की तुलना में कुछ धीमी हुई है।

महंगाई के मोर्चे पर आरबीआई ने चिंता जताई है। गवर्नर ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति का दबाव अब व्यापक रूप लेता जा रहा है और चीनी तथा प्याज जैसी वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अगस्त में खाद्य और ईंधन महंगाई दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसका एक कारण आधार प्रभाव (बेस फ़ैक्टर) भी रहा।

उन्होंने कहा कि आरबीआई महंगाई के रुझानों का आकलन करने के लिए महंगाई अपेक्षाओं, कंपनियों के मूल्य निर्धारण व्यवहार, कोर इन्फ्लेशन और विभिन्न आर्थिक संकेतकों पर लगातार नजर रख रहा है।

दूर से कोई नहीं पहचान पाएगा असली या नकली, 100 रुपये से शुरू हैं ये गोल्डन कंगन, कीमत जानकर चौंक जाएंगे



सोने की कीमत बढ़ने के कारण महिलाओं के लिए सोने के कंगन खरीदना महंगा हो गया है। ऐसे में फिरोजाबाद की प्रसिद्ध चूड़ी मार्केट में सोने जैसे दिखने वाले आर्टिफिशियल गोल्डन कंगन महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। लोटस और पीकांक से लेकर पंजाबी, डायमंड और एडी वर्क तक कई डिजाइन उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 100 रुपये से शुरू होकर 1,000 रुपये तक है। फिरोजाबाद. सोने की बढ़ती कीमतों के बीच महिलाओं के लिए गहने खरीदना महंगा हो गया है। खासकर सोने के कंगनों की कीमत ज्यादा होने के कारण महिलाएं अब आर्टिफिशियल कंगनों की ओर रुख कर रही हैं। फिरोजाबाद की प्रसिद्ध चूड़ी मार्केट में सोने जैसे दिखने वाले गोल्डन कंगन महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं. इन कंगनों की डिजाइन सोने के कंगनों जैसी ही तैयार की गई है, जिससे इन्हें देखकर आसानी से पहचान पाना मुश्किल होता है. महिलाएं इन कंगनों को चूड़ियों के साथ सेट बनवाकर भी पहन रही हैं. फिरोजाबाद की गली बोहरान में चूड़ी की दुकान चलाने वाले शिवांग गुप्ता ने लोकल 18 को बताया कि त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है और इस दौरान महिलाएं कंगन पहनना पसंद करती हैं. हालांकि इस बार सोने के दाम काफी ज्यादा हैं, इसलिए महिलाएं सोने जैसे दिखने वाले आर्टिफिशियल कंगनों को पसंद कर रही हैं. दुकानदार के मुताबिक बाजार में सोने के कंगनों जैसी कई डिजाइन उपलब्ध हैं, जिन्हें महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार खरीद सकती हैं.

कंगनों में लोटस, पीकांक समेत कई तरह की डिजाइन मिल रही हैं. दुकानदार के पास करीब 30 डिजाइन उपलब्ध हैं. इन कंगनों को चूड़ियों के साथ सेट बनाकर शादी, पार्टी या त्योहारों में भी पहना जा सकता है. खास बात यह है कि इनकी डिजाइन काफी हद तक सोने के कंगनों जैसी रखी गई है, इसलिए दूर से देखने पर ये असली सोने के कंगन जैसे नजर आते हैं. दुकानदार ने बताया कि बाजार में पंजाबी, डायमंड और एडी वर्क वाले कंगनों की भी कई डिजाइन उपलब्ध हैं. इनकी कीमत 100 रुपये से शुरू होती है और करीब 1,000 रुपये तक के कंगन आसानी से मिल जाते हैं. कम कीमत होने के कारण महिलाएं अपनी पसंद और बजट के हिसाब से कई डिजाइन खरीद सकती हैं. दुकानदार के मुताबिक इन कंगनों की एक खासियत यह भी बताई जा रही है कि ये जल्दी काले नहीं पड़ते और लंबे समय तक अपनी चमक बनाए रखते हैं. सोने की कीमतों के बीच कम बजट में गोल्डन लुक पाने के लिए ये आर्टिफिशियल कंगन महिलाओं के बीच पसंद किए जा रहे हैं. त्योहारों और शादी-पार्टी के सीजन को देखते हुए चूड़ी बाजार में इनकी मांग भी बढ़ रही है।



बच्चा बार-बार ‘मुझे बोर हो रहा है’ कहता है? हर बार फोन देने की बजाय ये तरीका अपनाएं



बच्चे का बार-बार ‘मुझे बोर हो रहा है’ कहना माता-पिता के लिए परेशानी बन जाता है. ऐसे में हर बार मोबाइल या टीवी देने की बजाय बच्चे को खुद से खेलने और कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित करें. जानिए बोरियत दूर करने के ऐसे आसान तरीके, जो बच्चे को स्क्रीन से दूर रखने में मदद कर सकते हैं. ‘मम्मी, मैं बोर हो रहा हूँ’, ‘पापा, करने को कुछ नहीं है...’ बच्चों के मुंह से ऐसी बातें अक्सर सुनने को मिलती हैं. जैसे ही बच्चा बोर होने की शिकायत करता है, कई माता-पिता उसे चुप कराने के लिए मोबाइल या टीवी दे देते हैं. इससे बच्चा कुछ देर के लिए व्यस्त तो हो जाता है, लेकिन हर बार बोरियत का समाधान स्क्रीन बन जाए, तो बच्चा खुद से कुछ करने की कोशिश कम कर सकता है. अगर बच्चा बार-बार कहता है कि उसे बोरियत हो रही है, तो सबसे पहले उसकी बात को नजरअंदाज करने के बजाय उससे पूछें कि वह क्या करना चाहता है. इसके बाद उसे कुछ विकल्प दें. मसलन, आप कह सकते हैं, ‘तुम ड्रॉइंग करना चाहोगे या अपना पर्सदीदा गेम खेलना?’ बच्चे को दो-तीन आसान विकल्प देने से वह खुद फैसला लेना सीखता है. हर बार माता-पिता को ही उसके लिए कोई एक्टिविटी तय करने की जरूरत नहीं है. कुछ समय बच्चे को खुद खेलने दें बच्चे के हर ख़ाली समय को किसी एक्टिविटी से भरना जरूरी नहीं है. कभी-कभी उसे कुछ समय बिना किसी तय काम के भी रहने दें. इस दौरान बच्चा अपने खिलौनों से खेल सकता है, कहानी बना सकता है, ड्रॉइंग कर सकता है या घर में मौजूद चीजों से कोई नया खेल सोच सकता है. शुरुआत में बच्चा बार-बार कह सकता है कि वह बोर हो रहा है, लेकिन धीरे-धीरे वह खुद कुछ करने के तरीके खोज सकता है।

शादी के लिए लहंगा खरीदना क्यों नहीं बेस्ट च्वाइस, ये 5 वजहें जिससे ब्राइड को खुद होता है पछतावा



क्या आप भी अपनी शादी के लिए एक डिजाइनर लहंगा खरीदने का प्लान कर रही है? यदि हां तो ये लेख आपके लिए है. यहां आप ऐसी 5 चीजों के बारे में जान सकती हैं, जो आपको ये सोचने पर मजबूर कर देगी कि आपको ब्राइडल लहंगा खरीदना चाहिए या नहीं? साथ ही लहंगे पर कितना खर्च करना सही होगा? दुल्हन बनना हर लड़की के लिए बहुत ही खास पल होता है. बहुत ज्यादा कारीगरी की जाती है, जिससे वो काफी महंगे होते हैं. आज के समय में 25000 हजार से कम में अच्छा ब्राइडल लहंगा नहीं मिलता है. वहीं यदि आप किसी डिजाइनर का लहंगा पहनने का शौक रखती है तो इसके लिए आपको 1-2 लाख रूपए कम से कम खर्च करना पड़ जाएगा. वैसे तो अपनी शादी में सबसे अलग और खूबसूरत दिखने के ख्याल में ये रकम भी ज्यादा नहीं लगती है. लेकिन शाद के कुछ समय बाद समझ आता है कि ये एक फालतू खर्च था. पहनना मुश्किल- ब्राइडल लहंगा दुकान पर जब तक डमी पर लगा होता है, इसे पहनने का सपना तब तक ही अच्छा लगता है.क्योंकि

मेथी, चुकंदर और ब्रोकली, अक्टूबर में घर पर उगाएं ये 5 सब्जियां, जानें वेजिटेबल गार्डनिंग की आसान विधि



सर्दियां ताजी सब्जियों का मौसम होता है. अच्छी बात ये है कि इन्हें आप अपन घर पर भी उगा सकते हैं. यहां ऐसी 5 सब्जियों के बारे में जानें जिन्हें गमलों में आसानी से उगाया जा सकता है. अक्टूबर का महीना इन सब्जियों को उगाने के लिए बेस्ट है, यदि आप पूरी ठंड ताजी सब्जियों का स्वाद लेना चाहते हैं मेथी- यदि आप ठंड के मौसम में मेथी के परांठे, पुलाव और सब्जी खाना पसंद है, तो इसे आप घर ही उगा सकते हैं. इससे आपको बार-बार मार्केट जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसे आप सूखी धनिया के बीजों से उगा सकते हैं. लेकिन इसके लिए साबूत बीजों को छॉटकर उन्हें 24 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखना जरूरी है. उगाने का तरीका- मिट्टी,कोकोपीट और खाद मिलाकर गमला तैयार करें और इसमें थोड़ी-थोड़ी दूरी पर धनिया के एक-एक बीजों को उंगली से दबा दें. रोजाना पानी स्प्रे करें जिससे मिट्टी में नमी बनी रहे. 15-20 दिन में छोटे-छोटे पौधे नजर आने लगेंगे और लगभग एक महीने में ये काटने लायक हो जाएंगे. फिर इसे आप ऊपर से तोड़कर यूज कर सकते हैं, और पौधे धीरे-धीरे ग्रो करते रहेंगे. ब्रोकली- कई सारे लोग ब्रोकली हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा मानते हैं. हालांकि ये गोभी की फैमिली की ही सब्जी है, लेकिन इसे ज्यादा बेहतर माना जाता है. बाजार में इसकी कीमत भी ज्यादा होती है, लेकिन क्वालिटी का भी कई बार खराब होती है. ऐसे में इसे घर पर उगाना एक अच्छा विकल्प होता है. उगाने का तरीका नर्सरी से चुकंदर के बीज लाएं और पॉट मिक्स तैयार करें. अब गमले में इसे डालकर इसमें बीजों को ब्रोकली के बीजों की तरह ही बो दें. मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मिट्टी पर पानी स्प्रे करते रहे. 24 दिन में बीज अंकुरित हो जाएंगे. गमले को ऐसी जगह पर रखें जहां 4-5 घंटे धूप आती है. जब पौधे नजर आने लगे उसके बाद इसमें हफ्ते में सिर्फ एक बार ही पानी डालें।

बारिश में चाय के साथ चाहिए कुछ कुरकुरा? निमाड़ की आलू-पोहे टिकिया का स्वाद एक बार जरूर चखें



मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल और बुरहानपुर में बरसात के मौसम में आलू और पोहे से बने वाली कुरकुरी टिकिया बेहद लोकप्रिय है. इसे घर पर आसानी से उबले आलू, पोहे और मसालों के साथ तैयार किया जा सकता है. मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल में बरसात का मौसम आते ही कई तरह के स्वादिष्ट और पारंपरिक व्यंजन लोगों की पसंद बन जाते हैं. इनमें आलू और पोहे की टिकिया खास तौर पर लोगों को खूब पसंद आती है. बुरहानपुर में बारिश के दिनों में घरों से लेकर नाश्ते की दुकानों तक यह कुरकुरी टिकिया आसानी से देखने को मिल जाती है. बच्चे हों या बड़े हर उम्र के लोगों की यह पसंदीदा नाश्ते में शामिल है. एक्सपर्ट महिला ने दी जानकारी लोकल 18 की टीम को एक्सपर्ट महिला फूलाबाई ने जानकारी देते हुए बताया कि इस टिकिया की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे घर पर बहुत आसानी से और कम समय में तैयार किया जा सकता है. इसके लिए मुख्य रूप से उबले हुए आलू पोहा नमक हरी मिर्च अदरक, धनिया और मसालों का इस्तेमाल किया जाता है. स्वाद के अनुसार इसमें लाल मिर्च चाट मसाला और थोड़ा नींबू का रस की मिलाया जा सकता है. ऐसे बनाएं आलू-पोहे की टिकिया सबसे पहले पोहे को पानी से हल्का भिगोकर कुछ देर के लिए रख दें. इसके बाद उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें.अब इसमें पोहा, बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक हरा धनिया नमक और पसंद के अनुसार मसाले डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें. मिश्रण तैयार होने के बाद हाथों से इसकी छोटी-छोटी गोल टिकिया बनाएं।

भारत का ये गांव कहलाता है ‘मिनी इजरायल’, खूबसूरती पर फिदा विदेशी, 2 किमी दूर से ही क्यों लौट आते हैं भारतीय?

भारत में खूबसूरती की कोई सीमा नहीं है. यहां ऐसी-ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में खुद भारतीय लोगों को नहीं पता होता है, लेकिन विदेशियों में ये बहुत लोकप्रिय हैं. यहां हर साल हजारों विदेशी आते हैं, लुफ्त उठाते हैं और शहर लौट जाते हैं, जबकि भारतीय लोग इन जगहों से किलो दो किलोमीटर की दूरी पर अपने जान-पहचान के शहरों या गांवों से होकर लौट जाते हैं. आज हम आपको ऐसे ही एक गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे मिनी इजरायल कहते हैं..असल में यह भारत के हिमालय प्रदेश का एक छोटा सा गांव है. इजरायल के बारे में तो आपने सुना ही होगा, वह एक देश है, लेकिन आपसे कहा जाए कि भारत में भी एक इजरायल है तो शायद आपको यकीन न हो. पर ये सच है. भारत के हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा छोटा सा गांव है जिसे मिनी इजरायल के नाम से जाना जाता है.



यह इतना खूबसूरत है कि विदेशी और खासतौर पर इजरायली लोग फिदा हैं. वे जब भारत आते हैं तो इस गांव में जाकर ठहरते हैं, यहां फलाफल का स्वाद चखते हैं और हिब्रू बोलते हैं. यह गांव उनके लिए घर जैसा है, जिसका नाम है धर्मकोट. बता दें कि दशकों से इजराइल के लोग कांगड़ा जिले के धर्मकोट में शांति की तलाश में आते रहे हैं. आज इस गांव ने खुद को अपने मेहमानों के हिसाब से इतना बदल लिया है कि यह भारत का शहर ही नहीं लगता, बल्कि इजरायल जैसा

लगता है और यही वजह है कि जब सेलानी आते हैं तो वे पृष्ठते हैं कि मिनी इजरायल कहाँ है? यह कांगड़ा जिले का एक पॉपुलर स्थल है. यह मिनी इजरायल, हिमाचल प्रदेश में धौलाधार पर्वत श्रृंखला से जुड़ा और धर्मशाला के मैकलोडगंज से दो किलोमीटर की दूरी पर मौजूद एक गांव है. भले ही इनके बीच में दो किमी की दूरी है लेकिन धर्मकोट और मैकलाॅडगंज के माहौल में जमीन और आसमान का अंतर है. धर्मशाला से ऊपर चढ़ते हुए मैकलाॅडगंज के बौद्ध प्रार्थना झंडे, चमकदार कैफे और मोमो, लाफिंग की खुशबू जहां खत्म हो जाती है, वहां से हिब्रू भाषा के साइनबोर्ड, घर जैसी बेकरी और ताजी बेकी हुई चल्लाह ब्रेड की खुशबू शुरू हो जाती है. यहीं से धर्मकोट शुरू हो जाता है. धर्मकोट हिमाचल की राजधानी शिमला से करीब 240 किलोमीटर

दूर है. इसका सबसे नजदीकी शहर धर्मशाला है और निकटतम हवाई अड्डा कांगड़ा के गगल में करीब 20 किलोमीटर दूर है. यहीं से इजरायल से उतरने वाले मेहमान सीधा ढूंढते हुए धर्मकोट पहुंचते हैं और शांति

महसूस करते हैं. आज यह भारत में इजरायलियों का सबसे पसंदीदा स्थान बन गया है. यहां कई ऐसे इजरायली हैं जो पूरी तरह भारत के रंग में रंग चुके हैं, यहां शादी कर चुके हैं, यहीं

रहकर बच्चे पाल रहे हैं. जबकि एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है जो यहां सिर्फ टूरिस्ट वीजा पर घूमने आते हैं. धर्मकोट के ठीक पास में ही भागसूनाग भी है. लेकिन सबसे दिलचस्प है।



मुंबई में अर्चना गौतम के कैफे में हुई चोरी

सीसीटीवी फुटेज शेयर कर सभी से सतर्क रहने की अपील

मुंबई। अभिनेत्री और रियलिटी टीवी शख्सियत अर्चना गौतम के कैफे में सोमवार तड़के चोरी हो गई। अभिनेत्री ने इस घटना का सीसीटीवी फुटेज शेयर करते हुए अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लोगों से सतर्क रहने और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीसीटीवी फुटेज का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें चोर को कैफे में घुसकर कथित तौर पर पूरा कैश काउंटर ले जाते हुए देखा जा सकता है। अर्चना ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई है और मुंबई पुलिस से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है।



कैफे में चोरी करते चोर की सीसीटीवी फुटेज

“मैंने इस कैफे को बहुत प्यार और मेहनत से बनाया है, जिसके लिए मैंने अपनी सारी जमा-पूंजी लगा दी। लेकिन एक चोर मेरे कैफे में घुसकर पूरा कैश काउंटर ही उठाकर ले गया।

— अर्चना गौतम

सीसीटीवी फुटेज साझा करते हुए अर्चना ने लोगों से सतर्क रहने और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा पर ध्यान देने का आग्रह किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, “मैं आप सभी के साथ मुंबई में अपने कैफे में हुई चोरी की सीसीटीवी फुटेज साझा कर रही हूँ ताकि आप भी सतर्क रहें और अपने घरों और व्यवसायों की सुरक्षा का ध्यान रखें।”

अभिनेत्री ने आगे लिखा, “मैंने इस मामले की एफआईआर दर्ज करा दी है और मुंबई पुलिस से विनम्र अनुरोध है कि इस व्यक्ति को जल्द से जल्द तलाश कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। मुंबई हमेशा से मुझे एक सुरक्षित शहर लगा है, इसलिए इस घटना ने मुझे बहुत दुखी किया है। आप सभी से बस यही अनुरोध है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अपने आसपास की सुरक्षा का ध्यान रखें।”



अर्चना गौतम का कैफे

मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री द्वारा शेयर की गई पोस्ट पर मनोरंजन जगत के कई कलाकारों ने प्रतिक्रिया दी। बता दें कि अर्चना ने अक्टूबर 2025 में मुंबई में आउटलेट खोलकर फूड बिजनेस में कदम रखा था। उन्होंने सेलिबिटी मास्टरशेफ इंडिया में अपने काम के दौरान खाना पकाने में अपनी दिलचस्पी भी दिखाई थी।

‘वे मेरे को-स्टार, पड़ोसी और दोस्त थे’, विनोद खन्ना को याद कर सिमी गरेवाल ने शेयर की पुरानी मेमोरी



AI GENERATED

रिश्ते को याद किया। उन्होंने लिखा, “धन्यवाद। मुझे उनकी याद आती है। विनोद मेरे को-स्टार, मेरे पड़ोसी और मेरे दोस्त थे।”

बता दें कि विनोद खन्ना और सिमी गरेवाल ने 1974 में रिलीज हुई फिल्म ‘हाथ की सफाई’ में साथ काम किया था। फिल्म का निर्देशन प्रकाश मेहरा ने किया था, जबकि इसकी कहानी सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म में विनोद खन्ना और सिमी गरेवाल के अलावा हेमा मालिनी और रणधीर कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। रंजीत और सत्येन कपू भी फिल्म का हिस्सा थे।

‘हाथ की सफाई’ एक क्राइम-ड्रामा फिल्म थी, जिसमें दो भाइयों की

कहानी दिखाई गई थी, जो बचपन में एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं। विनोद खन्ना ने फिल्म में शंकर का किरदार निभाया था, जो आगे चलकर कुमार साहब के नाम से अपराध की दुनिया में पहुंच जाता है। वहीं रणधीर कपूर ने राजू का किरदार निभाया था, जो अलग परिस्थितियों में बड़ा होकर जेबकतरे का काम करने लगता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ दोनों भाइयों की जिंदगी एक-दूसरे से दोबारा जुड़ती है।

फिल्म में सिमी गरेवाल ने रोमा का किरदार निभाया था, जो शंकर की पत्नी हैं। हेमा मालिनी ने कामिनी का किरदार निभाया था। उस दौर की फिल्मों की तरह इसमें भी एक्शन, इमोशन और रोमांस देखने को मिला था।

विश्व केसरी■

मुंबई। मनोरंजन जगत में कई कलाकारों को उनके किरदार से इतनी शोहरत मिल जाती है कि लोग उन्हें उनके असली नाम से भी पहले उसी किरदार से जानते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के लिए वह किरदार ‘जस्सी’ का था। शो की लोकप्रियता इतनी ज्यादा थी कि उनकी जिंदगी की कहानी भी उनकी ही दिलचस्पी है, जितनी खुद जस्सी की कहानी थी। छोटे पर्दे की इस

विश्व केसरी■

8 अक्टूबर को पुणे में जन्मी मोना सिंह को टीवी सीरियल ‘जस्सी जैसी कोई नहीं’ ने एक आम लड़की को तरह सीधे लोगों के दिल में बसा दिया था। जस्सी वालिया की भूमिका ने मोना को घर-घर में लोकप्रिय बना दिया लेकिन इस मशहूर किरदार के पीछे उनकी जिंदगी की कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है, जितनी खुद जस्सी की कहानी थी। छोटे पर्दे की इस



जस्सी के लिए स्टारडम की चमक के साथ-साथ कई चुनौतियां भी आईं, जिनका सामना करते हुए उन्होंने अपनी पहचान बनाई।

मोना सिंह ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि ‘जस्सी जैसी कोई नहीं’ के दौरान उन पर इतनी पाबंदियां थीं कि उनके खुद के को-स्टार्स को भी उनके बारे में पता नहीं था। इंटरव्यू में उन्होंने बताया था, जस्सी का लुक इतना साधारण था कि मुझे वैक्सिंग, श्रेडिंग, आईब्रो करने की परमिशन नहीं था। इसके साथ ही, मेरे चेहरे पर ज्यादा बाल चिपका देते थे। मुझे अपना चेहरा ब्लीच करने की इजाजत तक नहीं थी। पाबंदियां इतनी सख्त थी कि शो में मेरे को-स्टार्स तक मुझे नहीं जानते थे कि मोना असल जिंदगी में कैसी दिखती हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि शो के लिए उन्हें पहला अवॉर्ड जसमीत वालिया के रूप में मिला था। उन्होंने कहा, उस समय यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि होती थी क्योंकि यह शो बहुत पॉपुलर था। हालांकि, ‘जस्सी जैसी कोई नहीं’ के दौरान मीडिया ने शो के मेकर्स को चुनौती दी थी कि वे असली पहचान, उनका पता और असल जिंदगी और लुक का खुलासा जल्द ही करेंगे।

मराठी बीट, जबरदस्त हुकस्टेप और ईशा-गुरमीत की जोड़ी... ‘नखरे’ में मिलेगा फुल एंटरटेनमेंट

विश्व केसरी■

मुंबई। एक्ट्रेस ईशा मालवीय एक बार फिर सिंगर और हिटमेकर संजू राठौड़ के साथ नजर आने वाली हैं। दोनों अपकमिंग मराठी ट्रैक ‘नखरे’ के लिए दोबारा साथ आए हैं। इस गाने में ईशा के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। गाने को लेकर ईशा ने कहा कि शूटिंग के दौरान हमें काफी मजा आया। इसमें यूथफुल अंदाज, मराठी म्यूजिक का टूच और कैची हुकस्टेप देखने को मिलेंगे।

ईशा ने ‘नखरे’ के बारे में बात करते हुए कहा, ‘नखरे’ में बहुत मजेदार और यूथफुल वाइब है। इस गाने के लिए संजू के साथ दोबारा काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। मुझे गाने का मराठी साउंड भी काफी पसंद आया। गुरमीत और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान काफी



एजॉय किया, खासकर हुकस्टेप करते हुए। मैं बहुत खुश हूँ कि आखिरकार गाना रिलीज हो गया है और अब लोग इसे एजॉय कर

सकते हैं।” गाने का म्यूजिक एनर्जी से भरपूर है। इसमें ईशा और गुरमीत के बीच एक फ्रेश केमिस्ट्री देखने

को मिल रही है। दोनों एनर्जेटिक अंदाज में डॉस करते नजर आ रहे हैं। गुरमीत चौधरी ने भी गाने की

शूटिंग के अनुभव को शेयर किया। उन्होंने कहा, ‘नखरे’ की एनर्जी काफी अलग है और इस गाने की शूटिंग करना वाकई बहुत मजेदार रहा। संजू ने इसमें अपना मराठी स्टाइल जोड़ा है, जिसकी वजह से गाना काफी फ्रेश लगता है। ईशा और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान काफी मस्ती की। मैं काफी एक्साइटेट हूँ कि अब दर्शक इस गाने को देख पाएंगे।” गाने को संजू राठौड़ ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस गाने पर काम करना उनके लिए काफी मजेदार अनुभव रहा। संजू ने कहा, ‘नखरे’ का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मजेदार रहा। मुझे इस ट्रैक में अपना मराठी साउंड लाने और इतनी एनर्जेटिक बीट वाले गाने पर काम करने में बहुत मजा आया।

एस. जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री से की मुलाकात, ‘ग्लोबल साउथ’ साझेदारी और द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विश्व केसरी■
अकरा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घाना की राजधानी अकरा में अपने समकक्ष सैमुअल ओकुडजेतो अबलाकवा से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और घाना के बीच व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रमुख रणनीतियों पर चर्चा की।
‘ग्लोबल साउथ’ के साझेदारों के तौर पर अपनी ऐतिहासिक एकजुटता और विकास की साझा आकांक्षाओं पर बात करते हुए दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, विकास सहायता, फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, रक्षा और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।
विदेश मंत्री जयशंकर ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेतो अबलाकवा के साथ व्यापक चर्चा हुई। ‘ग्लोबल साउथ’ के साझेदारों के तौर पर भारत और घाना दोनों विकास संबंधी समान आकांक्षाओं और ऐतिहासिक एकजुटता को साझा करते हैं। हमने व्यापार,



निवेश, विकास, फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, रक्षा, टेक्नोलॉजी और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में अपनी व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही, हमने बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और अफ्रीकी संघ व पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्ल्यूएस) के साथ भारत के जुड़ाव को और गहरा करने के बारे में भी बात की।’
एस. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे। इस यात्रा को लेकर भारत नई दिल्ली और अकरा के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद कर रहा है।
जयशंकर ने ‘एक्स’ पोस्ट में कहा, ‘अकरा, घाना पहुंचकर खुशी हुई। विदेश

मंत्री सैमुअल ओकुडजेतो अबलाकवा की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभारी हूं। अपनी व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक बातचीत की उम्मीद है।’
इससे पहले, सोमवार को घाना के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि विदेश मंत्री जयशंकर की यात्रा दोनों देशों को एकजुटता और साझा मूल्यों के अपने बंधन को फिर से मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी।
मंत्रालय ने कहा, ‘भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, घाना के विदेश मंत्री सैमुअल ओकुडजेतो अबलाकवा के निमंत्रण पर 6 से 7 अक्टूबर तक घाना की आधिकारिक यात्रा करेंगे। घाना इस ऐतिहासिक यात्रा पर एस. जयशंकर की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है, जिससे दोनों देशों को एकजुटता और साझा मूल्यों के अपने अटूट बंधन को फिर से मजबूत करने का मौका मिलेगा।’
इसमें आगे कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, घाना और भारत के बीच बातचीत होगी।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार : मार्को रुबियो

विश्व केसरी■
वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेंड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है।
रुबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई



थोरगेरदुर कैट्रिन गुनार्सडॉटर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है।
रुबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे। रुबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है।’
उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई।

संक्षिप्त खबर
तेल भंडार जारी करने के प्रस्ताव पर आईईए की बैठक आज

विश्व केसरी■
पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का गवर्निंग बोर्ड बुधवार दोपहर आपात तेल भंडार से कच्चे तेल और डीजल जारी करने के प्रस्ताव पर अनौपचारिक बैठक करेगा। यूरोपीय संघ के दो राजनयिकों ने यह जानकारी दी। रॉयटर्स ने बताया कि राजनयिकों के मुताबिक, यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह हुई बैठक में इस प्रस्ताव की पहले ही समीक्षा कर ली है। इसके बाद आईईए के गवर्निंग बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बीच जी7 देशों ने पिछले सप्ताह आपात भंडार से कुल 10 करोड़ बैरल डीजल और कच्चा तेल जारी करने पर सहमति जताई थी। जी7 ने ऊर्जा के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाने की प्रतिबद्धता भी जताई थी। हालाँकि, तेल और ऊर्जा उद्योग में अभी भी इस बात को लेकर असमंजस बना हुआ है कि यूरोप और अमेरिका वास्तव में कितने बैरल तेल और डीजल बाजार में उतारेंगे। यह स्थिति ऐसे समय में है जब आपूर्ति की कमी और कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी से बाजार पर दबाव बढ़ा हुआ है। आईईए की प्रस्तावित बैठक ऐसे समय हो रही है जब प्रमुख तेल उत्पादक और उपभोक्ता देश ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने के लिए आपात भंडार के इस्तेमाल पर विचार कर रहे हैं।



गुजरात में महिला को पेड़ से बांधकर ‘शुद्धिकरण’ के नाम पर गैंगरेप, नौ लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी■
सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में एक विवाहित महिला के साथ मारपीट, अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने और सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना एक कथित ‘शुद्धिकरण’ अनुष्ठान के दौरान हुई, जिसमें महिला के किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध होने का आरोप था। घटना के वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। यह मामला तब सामने आया जब महिला के साथ हिंसा और अपमान किए जाने के वीडियो ऑनलाइन सामने आए। पुलिस ने बताया कि महिला ने शुरू में उनसे संपर्क नहीं किया था लेकिन समुदाय के सदस्यों से मिली जानकारी के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई की और उसकी तलाश शुरू कर दी। सुरेंद्रनगर एसपी प्रेमसुख देलू ने कहा कि वीडियो को जानकारी मिलने के बाद महिला का पता लगाने के लिए कई पुलिस टीमों को तैनात किया गया था। अंततः महिला का पता लगा लिया गया और उसे पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां उसका बयान दर्ज किया गया और उसे सुरक्षा प्रदान की गई। पुलिस शिकायत के अनुसार, महिला अपने पति को छोड़कर किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रहने चली गई थी। उसके पति और रिश्तेदारों ने उसका पता लगाया और उसे एक घर में ले आए, जहां उसे ताले और जंजीरों से बांधकर रखा गया था। वह बाद में भाग निकली लेकिन आरोपियों ने उसे फिर से पकड़ लिया और रस्सियों से एक पेड़ से बांध दिया। आरोपी ने महिला और उसके साथ रह रहे पुरुष को ‘शुद्धिकरण’ अनुष्ठान करने के नाम पर शारीरिक उत्पीड़न और अपमान का शिकार बनाया।



भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत क्वात्रा

विश्व केसरी■
वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है।
क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’
इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री



के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वही मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है।
क्वात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूँ और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वही

मसाला इस्तेमाल करता हूँ जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वही मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।’
क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है।

ग्रेटर नोएडा: दनकौर में कॉलेज की जमीन पर कब्जे के आरोप से हंगामा, छात्रों ने तोड़ी बाउंड्रीवॉल

विश्व केसरी■
ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में बिहारी लाल एंग्लो संस्कृत हाई स्कूल एसोसिएशन इंटर कॉलेज की जमीन पर कथित रूप से अवैध कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया है। बुधवार को जमीन पर निर्माण कार्य शुरू किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया।
स्कूल प्रबंधन ने जमीन को कॉलेज की संपत्ति बताते हुए निर्माण कार्य का विरोध किया। देखते ही देखते मौके पर स्कूल के छात्र भी पहुंच गए और निर्माण के लिए बनाई जा रही बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।
पुलिस के मुताबिक, थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम नवादा निवासी दो व्यक्तियों द्वारा दनकौर में कथित



तौर पर जमीन खरीदी गई थी। बुधवार 7 अक्टूबर को जमीन खरीदारों की ओर से उक्त भूमि पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। इसकी जानकारी मिलने पर निजी कॉलेज, दनकौर के प्रधानाचार्य और प्रबंधक ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि जमीन को लेकर पहले से ही उपजिलाधिकारी दादरी की अदालत में वाद विचाराधीन है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पीआरवी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।
पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर विवादित जमीन पर चल रहे निर्माण कार्य को फिलहाल रुकवाया और मौके पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। जमीन स्कूल के पास होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने छात्रों को समझाकर वापस स्कूल भेज दिया। राजस्व विभाग को भी मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

‘खटारा बस परियोजना’ से ‘खटारा युवा नीति’ है मध्य प्रदेश सरकार की पहचान : जीतू पटवारी

विश्व केसरी■
भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की मोहन यादव सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि खटारा बस परियोजना से खटारा युवा नीति राज्य सरकार की पहचान बन गई है। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने, रोजगार के नाम पर लगातार घोषणाएं करने, भर्ती परीक्षाओं में देरी और पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने तथा प्रदेश पर लगातार बढ़ता कर्ज डालने का गंभीर आरोप लगाया है।
पटवारी ने कहा कि इंदौर से उज्जैन जाते समय ‘मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा’ की चलती बस में आग लगने की घटना ने सरकार की



योजनाओं की जमीनी हकीकत सामने ला दी है। जिस योजना को सरकार अपनी उपलब्धि बता रही थी, उसकी हालत ऐसी है कि चलती बस में आग लग रही है। अब प्रदेश में ‘खटारा बस परियोजना’ के बाद ‘खटारा युवा नीति’ और ‘खटारा सरकार’ की पहचान बन गई है। जब भी ‘खटारा सरकार’ की बात हो, तो जनता के सामने उस जलती हुई बस का दृश्य आना चाहिए।
पटवारी ने कहा कि सरकार ने अगले वर्ष को ‘युवा वर्ष’ मनाने की घोषणा की है और भारी बजट के साथ यु्थ कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बॉलीवुड गायक जुबिन नॉटियाल को 17 लाख रुपये देकर बुलाया गया लेकिन कार्यक्रम में युवाओं के लिए व्यवस्थाएं तक ठीक नहीं थीं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा वहां पहुंचे युवाओं और बेटियों के साथ जिस तरह की बदसलूकी की गई, वह बेहद शर्मनाक है। युवाओं के बाल खींचकर उन्हें बाहर निकाला गया और इसकी तस्वीरें सामने आई हैं।

पटना में ‘संकल्प सभा’: सीएम सम्राट बोले- ‘विकसित भारत’ के लिए समृद्ध बिहार जरूरी

विश्व केसरी■
पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से बुधवार को पटना में ‘विकसित भारत संकल्प सभा’ एवं ‘सेवा ज्योति यात्रा’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के वर्युअल संबोधन को बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुना। सभा के बाद ‘सेवा ज्योति यात्रा’ निकाली गई।
सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में विशेष महत्व



रखता है। आज से 25 वर्ष पहले इसी दिन नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया और इसके विकासित भारत और समृद्ध बिहार बनाने के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं।
सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि

भाजपा और जनसंघ की विचारधारा ने हमेशा राष्ट्रहित और लोकतंत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आपातकाल के दौरान जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने संगठन का विलय तक किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा भाव के साथ राष्ट्र निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्षी इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ ऐसे नेतृत्व के साथ लोग काम कर रहे हैं, जिनके मन, दिल और कार्य में सेवा है, जबकि दूसरी तरफ विपक्ष के नेताओं के लिए ‘मेवा’ महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत और समृद्ध बिहार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना होगा।

अहमदाबाद के 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, छात्रों को भेजा गया घर

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। अहमदाबाद में बुधवार को कम से कम 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों को जल्दी घर भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस, फायर विभाग और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल टीम को स्कूल कैम्पस में तैनात किया गया।
ज्यादातर स्कूल, जिन्हें धमकी मिली है, वे शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित हैं। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन ने अधिकारियों को



अलर्ट किया, जिसके बाद सुरक्षा इलाके का जाइडस स्कूल भी शामिल है। धमकी मिलने के बाद स्कूल ने छात्रों को तय समय से पहले ही छुट्टी दे दी, जबकि

एहतियात के तौर पर पुलिस और फायर विभाग की गाड़ियों को कैम्पस में भेजा गया। स्कूलों ने छात्रों को जल्दी घर भेजने की जानकारी पेरेंट्स को भी देना शुरू कर दिया। अधिकारी कैम्पस में सुरक्षा जांच कर रहे हैं, जबकि धमकियों की प्रकृति और स्रोत के बारे में ज्यादा जानकारी का इंतजार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी से जुड़े अन्य स्कूलों में बोडकदेव स्कूल फॉर चिल्ड्रन, एसजीवीपी स्कूल, ड्राइव-इन रोड पर संत कबीर स्कूल और

एशिया स्कूल शामिल हैं। स्कूलों की सही संख्या का अभी आकलन किया जा रहा है, क्योंकि अधिकारी अलर्ट पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। अहमदाबाद में पिछले कुछ महीनों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। सितंबर में शहर के 10 स्कूलों के अलावा तीन कोर्ट और गुजरात विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल भेजे गए थे। सुरक्षा जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी और बाद में इन धमकियों को अफवाह बताया गया था।

आईएसआरएल सीजन 3 के लिए 21 देशों के 146 राइडर्स ने कराया रजिस्ट्रेशन



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के तीसरे सीजन के लिए 21 देशों के 146 राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें भारत के बेहतरीन सुपरक्रॉस टैलेंट के साथ-साथ कई बड़े इंटरनेशनल राइडर्स भी मुकाबला करेंगे। इस फ्रेंचाइजी-बेस्ड सुपरक्रॉस लीग में चार कैटेगरी के राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें नई शुरू की गई '250सीसी

इंडियन प्यूचर्स' कैटेगरी भी शामिल है, जिसका मकसद घरेलू राइडर्स को आगे बढ़ने का एक खास मौका देना है। भारत से नई शुरू की गई '250सीसी - ग्रुप 'ए' फरिन बाइक्स ओनली - इंडियन प्यूचर्स' कैटेगरी और '250सीसी इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी के लिए कुल 30 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। इंटरनेशनल हिस्सेदारी में फ्रांस सबसे आगे है, जिसके 32

राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया (20 राइडर्स) और अमेरिका (18 राइडर्स) का नंबर आता है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, जर्मनी, स्पेन, स्विट्जरलैंड, इटली, जापान, कनाडा, साउथ अफ्रीका, चेक रिपब्लिक, स्वीडन, जिम्बाब्वे, श्रीलंका और मंगोलिया के राइडर्स ने भी रजिस्ट्रेशन कराया है। इस प्रतियोगिता में '450सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी

में 40 राइडर्स, '250सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में 54 राइडर्स और '250सीसी इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी में 26 राइडर्स शामिल हैं। '450सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में कई जाने-माने नाम शामिल हैं, जैसे सीजन 2 के चैंपियन मैट मॉस, जॉर्ड टिक्सियर, जॉन शॉर्ट, एंथनी बॉर्डन, ग्रेगरी अरंडा, रयान ब्रीस, ल्यूक क्लाउट और एंथनी रोड्रिग्स। '250सीसी इंटरनेशनल' कैटेगरी में रीड टेलर, केल्विन फॉनविएल, जस्टिन रॉडबेल और निको कोच हिस्सा लेंगे, जबकि 'इंडिया एशिया मिक्स' कैटेगरी में विसाख सलांगम, थनारत पेनजान, एथिसन रुआइओ, नाकामी विडी मकारिम, बेन हॉलग्रेन और मुहम्मद अथर अलघिफारी शामिल हैं। भारत की चुनौती पेश करने वाले राइडर्स में रूबेद बरगुजे, प्रन्वल विश्वनाथ, श्लोक घोरपड़े और इक्षन शानभाग जैसे बेहतरीन राइडर्स शामिल हैं। सीजन 2 में आईएसआरएल चैंपियनशिप जीतने वाले मॉस ने कहा कि वह एक और टाइटल के लिए मुकाबला करने को लेकर उत्साहित हैं। रजिस्ट्रेशन अब बंद हो चुके हैं, और लीग अब राइडर ऑक्शन की ओर बढ़ेगी, जहां फ्रेंचाइजी रजिस्टर्ड कॉम्पिटिटर्स के फाइनल पूल से अपनी टीम चुनेंगी। ऑक्शन से सीजन 3 के लिए टीमों का गठन तय होगा, क्योंकि ओपनिंग राउंड की तैयारियां तेजी से चल रही हैं।



जापान से लौटने के बाद सबसे ज्यादा मां के हाथ का बना चूरमा और खीर खाई है: सुजीत कलकल



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीता। 65 किग्रा फ्रीस्टाइल के एशियन चैंपियन ने कहा है कि जापान से लौटने के बाद, उन्होंने सबसे ज्यादा मां के हाथ का बना चूरमा और खीर खाई है। सुजीत कलकल ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आईएनएस के एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं ट्रेनिंग और काम्पिटिशन की वजह से घर से दूर रहता हूँ, ऐसे में मां के हाथ का चूरमा बहुत याद आता है। एशियन गेम्स के बाद जैसे ही मैं लौटा, मेरी मां ने चूरमा और खीर भेजी। मैं घर

से दूर सोनीपत में ट्रेनिंग करता हूँ, इसलिए मेरी मां मेरे लिए ये चीजें भेजती रहती हैं। जापान से लौटने के बाद, मैंने सबसे ज्यादा चूरमा और खीर खाई है। सुजीत 2026 सीजन में अब तक अजेय रहे हैं। उन्होंने 2025 अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2026 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 65 किग्रा कैटेगरी में जीती थीं। उन्होंने फरवरी में अल्बानिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में भी गोल्ड मेडल जीता। उनकी सफलता कुछ मुश्किलों के बाद मिली। 2023 में, उन्हें 2023 एशियन गेम्स में जगह के लिए फेयर ट्रायल पाने के लिए हाई कोर्ट का कानूनी रास्ता अपनाना पड़ा।

इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 से हराया, हैरी केन ने दागे दो गोल

विश्व केसरी ■
लंदन। इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने अपने करियर के 125वें अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल दागकर एक खास रिकॉर्ड की बराबरी की। उनकी शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने चेकिया को हराया और अगले साल गर्मियों में होने वाले यूईएफए नेशंस लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। केन के दो गोल ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। केन ने सिर्फ 11 साल और 193 दिनों में इंग्लैंड के लिए 125 मैच खेलने का मुकाम हासिल किया। यह शिलटन (19 साल, 224 दिन) की तुलना में 8 साल और 31 दिन कम समय है। केन ने इस मुकाबले में दो गोल किए, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के 90वें और 91वें गोल रहे। वहीं, चेकिया के खिलाड़ी क्लादिमीर कोफल ने दबाव में आकर गेंद अपने ही गोल में डाल दी। इसके चलते वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड ने 3-0 से आसान जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने वेम्बली स्टेडियम में एक और शानदार उपलब्धि अपने नाम की। 33 साल और 70 दिन की उम्र में दो गोल करके वह इंग्लैंड के लिए वेम्बली में एक मैच में दो गोल



करने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मामले में उनसे आगे केवल इयान राइट हैं, जिन्होंने सितंबर 1997 में 33 साल और 311 दिन की उम्र में मोल्दोवा के खिलाफ दो गोल किए थे। इसके अलावा, केन ने एक और रिकॉर्ड बनाया। वह लगातार दो मैचों में दो-दो गोल (ब्रेस) करने वाले इंग्लैंड के इतिहास के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

वहीं, 2026 में केन के 13 गोल अब किसी भी इंग्लैंड खिलाड़ी द्वारा एक साल में किए गए दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं। इससे पहले, केन ने ही साल 2021 में कुल 16 गोल किए थे। चेकिया के गोलकीपर लुकास हाॉर्निचेक ने ट्रेंट अलेक्जेंडर-आर्नोल्ड की फ्री-किक को तो रोक लिया, लेकिन इसके बाद हैरी केन के बनाए दबाव और क्रॉस की वजह से डिफेंडर

क्लादिमीर कोफल से गलती हो गई और गेंद उनके ही गोल में चली गई। इससे इंग्लैंड को शुरुआती बढ़त मिल गई। इसके बाद हाफ-टाइम से पहले केन ने मॉर्गन रोजर्स के क्रॉस पर शानदार गोल दागकर इंग्लैंड की बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ में भी वह लगातार खतरा बने रहे और उनका एक शॉट क्रॉसबार से टकराया।

आर्कटिक ओपन: पीवी सिंधु की जीत के साथ वापसी, भारतीय टीम को लगे कई झटके



विश्व केसरी ■
वांता। पीवी सिंधु ने कनाडा की वेन यू झांग पर सीधे गेमों में जीत के साथ आर्कटिक ओपन 2026 अभियान की शुरुआत की, लेकिन महिला एकल में भारतीय टीम को फिनलैंड के वांता में बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में कई झटके लगे। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु को कनाडा की वेन यू झांग की 21-8, 21-11 से हराने और दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने में सिर्फ 28 मिनट लगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट, जो एशियन गेम्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं, अब जापान की रीको गुंजी से भिड़ेंगी। सिंधु झांग के खिलाफ शुरू से

ही नियंत्रण में थीं। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती गेम में जल्दी ही अच्छी-खासी बढ़त बना ली और अपनी कनाडाई विरोधी को मुकाबले में कभी जमने नहीं दिया। सिंधु बिना परेशानी के आगे बढ़ गईं, लेकिन उनके कई हमबतन खिलाड़ियों के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्नति हुड्डा चीन की हान कियानक्सी के खिलाफ वापसी करने से दो पॉइंट दूर थीं। पहला गेम 21-16 से हारने के बाद, हुड्डा ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-15 से जीत लिया। निर्णायक गेम आखिर तक चला, लेकिन हान ने 68 मिनट के बाद 24-22 से जीत हासिल करने के लिए हिम्मत दिखाई।

विरासत में मिला कुश्ती का खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दो बार दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दिव्या काकरान की गिनती भारत की दमदार महिला पहलवानों में की जाती है। उन्होंने एशियन गेम्स 2018 और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। दिव्या का जन्म 8 अक्टूबर, 1998 को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुआ। दिव्या को कुश्ती का खेल विरासत में मिला और उनके पिता और बड़े भाई खुद पहलवान थे। हालांकि, घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पिता और भाई को पहलवानी छोड़नी पड़ी थी। मगर वह दिव्या को एक सफल महिला पहलवान बनाना चाहते थे। यही वजह रही कि उनके भाई देव काकरान ने अपना कुश्ती करियर छोड़कर बहन को इस खेल में आगे बढ़ाने का फैसला किया। दिव्या भी अपने पिता और भाई की उम्मीदों पर एकदम खरी उतरें।



साल 2017 में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में दिव्या 69 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। इसके बाद कॉमनवेल्थ कुश्ती चैंपियनशिप में भी दिव्या ने कमाल दिखाया और यहां वह

सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। इसके ठीक एक साल बाद यानी 2018 में हुए एशियन गेम्स में दिव्या ने दमदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसी साल दिव्या कॉमनवेल्थ गेम्स में भी अपना

जलवा बिखरने में कामयाब रहीं और उन्होंने देश की झोली में ब्रॉन्ज मेडल डाला। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी दिव्या ने 68 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज

मेडल जीता। उन्होंने आठ बार भारत केसरी का खिताब भी अपने नाम किया। कुश्ती के खेल में अहम योगदान देने के लिए उन्हें साल 2020 में सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हालांकि, दिव्या का विवादों से भी नाता रहा। साल 2023 में विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कुछ भारतीय महिला पहलवानों ने उस समय भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद को संभाल रहे बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया था और जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था। इस मामले में दिव्या बृजभूषण सिंह का समर्थन करती नजर आई थीं और उन्होंने महिला पहलवानों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया था। साल 2025 में दिव्या ने अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक भी लिया था। दोनों ने अपने बर्दई साल के रिश्ते को खत्म करने का फैसला किया था।

नेशंस लीग : स्पेन ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, क्रोएशिया को 2-1 से दी शिकस्त

विश्व केसरी ■
स्प्लिट (क्रोएशिया)। वर्ल्ड चैंपियन स्पेन ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्रोएशिया को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ स्पेन का लगातार 42 मैचों तक बिना हारे रहने का सिलसिला जारी रहा और उसने अपने चारों ग्रुप मैचों में जीत हासिल कर यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।



मेरिनो ने गोल दागे जबकि गोलकीपर उनाई सिमोन ने स्पेन के लिए कई शानदार बचाव किए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत स्पेन मैच में बना रहा और मुकाबले में अपनी चुनौती कायम रखी। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इंग्लैंड से मिली 7-0 की शर्मनाक हार पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रोएशिया के कोच स्लावेन बिलिच ने कहा था कि उन्हें 'पुरुषों वाला खेल' चाहिए और उन्हें पहले हाफ में बैसा ही शारीरिक खेल देखने को मिला जैसा वे चाहते थे। हालांकि लामिन यमल, पेड्री और

रोड्री जैसे स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरी स्पेन की टीम ने मैच की शुरुआत में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा, लेकिन इसके बावजूद टीम पूरी तरह सहज नहीं दिखी और उसे लगातार संघर्ष करना पड़ा। साइमन ने एक शानदार बचाव करते हुए जोसिप स्टैनिक्स को गोल करने से रोका और बाद में काउंटर-अटैक के बाद इगोर मटानोविच के प्रयास को भी नाकाम

किया, लेकिन इवान पेरिसिच ने रिबाउंड पर क्रोएशिया के लिए 20वें मिनट में गोल कर दिया। साइमन ने इसके कुछ ही देर बाद मटानोविच के एक और करीबी शॉट को रोक़ा और फिर जोस्को ग्वार्डियोल के प्रयास को नाकाम करने के लिए तेजी से नीचे झुके। मिकेल ओयाराबाल ने पहले हाफ में स्पेन के सबसे अच्छे मौके को बेकार कर दिया।

[illegible]

स्वास्थ्यकार्यालय राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगंवा रोड उमला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहवा बाजार, टाटीबंघ रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरएफ्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए व्याख्येय रायपुर होगा।) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasesari2026@gmail.com, आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251